Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 42
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 18 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

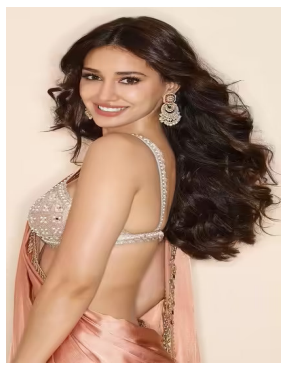

3 जलवायु कार्रवाई कार्यक्रम को गति देगा मुंबई ... 4 जब शब्द चुप हो जाते हैं, मन की शांति,... 7 श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम...

संक्षिप्त न्यूज

असम बजट में वित्त मंत्री अजंता नियोग का दावा ऊंची हुई प्रति व्यक्ति आय, सबसे तेज ग्रोथ

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 62, 294.78 करोड़ रुपये का अंतरिम बजट विधानसभा में पेश किया और कहा कि प्रत्यक्ष नकद लाभ देने वाली प्रमुख योजनाएं आने वाले वर्षों में भी जारी रहेंगी। राज्य में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव से पहले अपना अंतिम बजट पेश करते हुए नियोग ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस समय असम देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है। उन्होंने कहा, '' मैं वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती महीनों के लिए अनुदान मांगों पर लेखानुदान (वोट ऑन अकाउंट) प्रस्तुत कर रही हूं, जिसकी राशि 62, 29, 478.30 लाख रुपये है ताकि पूर्ण बजट आने तक सरकार सामान्य सेवाएं जारी रख सके।'' नियोग ने कहा कि प्रमुख 'निजुत मोइना' योजना के तहत 2023-24 और 2024-25 के बीच छात्राओं के स्कूल छोड़ने की दर में 8.2 प्रतिशत की कमी आई है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के कुल नामांकन अनुपात में 4.2 प्रतिशत और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री निजुत मोइना असोनी' योजना के तहत सरकार ने 1, 000 रुपये से 2, 500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता के लिए करीब 260 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जिससे 55 लाख से अधिक छात्राओं को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, '' इसी प्रकार, मुख्यमंत्री निजुत बाबू योजना के तहत, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 47, 428 लड़कों को 1, 000 रुपये से 2, 000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।'' असम विधानसभा के 126 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है।

इंडिया एआई समिट 2026

पीएम मोदी बोले- भारत के पास एआई पावरहाउस बनने की प्रतिभा और उद्यमशील ऊर्जा है

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के युवाओं से जुड़ी बढ़ती चिंताओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा मानव नौकरियों के विस्थापन के मुद्दे पर ध्यान दिया है। एएनआई को दिए एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि एआई मानव श्रम को समाप्त नहीं करेगा बल्कि उसे रूपांतरित करेगा। सरकार कौशल विकास और पुनर्कौशल विकास कार्यक्रमों में धन और प्रयास लगा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि युवा पेशेवर न केवल एआई-संचालित दुनिया में जीवित रहने के लिए बल्कि नेतृत्व करने के लिए भी तैयार हों। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती अनुकूलन क्षमता के साथ, छात्र और युवा पेशेवर इस बात को लेकर चिंतित हैं कि एआई का उनकी नौकरी की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा। मोदी ने पीढ़ियों के बीच इस घबराहट को भांप लिया है और उन्होंने एएनआई साक्षात्कार में कहा कि डर से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका तैयारी करना है। उनका तात्पर्य यह था कि एआई को किसी खतरे के रूप में देखने के बजाय, उससे निपटने के लिए तैयार रहें। सरकार एआई-संचालित भविष्य के लिए लोगों को कौशल प्रदान करने और उन्हें नए कौशल सिखाने में निवेश कर रही है। उन्होंने विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी कौशल विकास पहलों में से एक की शुरुआत की है। इसका अर्थ है कि भारत भविष्य की समस्याओं से निपटने के लिए तैयार हो रहा है।

मोदी ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) और

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का संगम समावेशी विकास की अगली सीमा है, और उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का अनुभव वैश्विक दक्षिण के लिए व्यावहारिक सबक प्रदान करता है। एएनआई से विशेष बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का डिजिटल परिवर्तन अनुकरणीय सिद्धांतों पर आधारित था, जिसमें व्यक्तिगत हितों के बजाय जनहित और समावेश को प्राथमिकता दी गई थी।

एआई के दुरुपयोग और सुरक्षा को लेकर चिंता

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि तकनीक केवल मानवीय इरादों के लिए एक फोर्स-मल्टीप्लायर है और निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा इंसानों की होनी चाहिए। भारत ने एआई विनियमन में एक संरचित दृष्टिकोण अपनाया है। जनवरी 2025 में एआई सेफ्टी इंस्टीच्यूट लॉन्च किया गया, जो एआई सिस्टम की नैतिक और सुरक्षित तैनाती को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित तंत्र है। भारत का जोखिम मूल्यांकन ढांचा स्थानीय खतरों पर केंद्रित है, जिसमें महिलाओं को निशाना बनाने वाले डीपफेक और बाल सुरक्षा जोखिम शामिल हैं। सरकार ने एआई-जनित सामग्री की वाटरमार्किंग और हानिकारक सिंथेटिक मीडिया को हटाने के लिए नियम अधिसूचित किए हैं। साथ ही, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट डेटा सुरक्षा को मजबूत करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की यात्रा वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण और व्यावहारिक सबक प्रदान करती है। डीपीआई और एआई का संगम समावेशी विकास की अगली सीमा है। आधार, यूपीआई और अन्य डिजिटल सार्वजनिक सुविधाओं में हमारी सफलता आकस्मिक नहीं थी। यह कुछ अनुकरणीय सिद्धांतों से उपजी है। प्रधानमंत्री ने विस्तार से बताया कि भारत ने अपनी डिजिटल संरचना को एक जनहित के रूप में विकसित किया है।

मोदी ने डीपफेक और संवेदनशील समूहों के लिए खतरों सहित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की और कहा कि भारत अपने नियामक ढांचे को मजबूत कर रहा है। इन उपायों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा निर्मित सामग्री पर वॉटरमार्क लगाना, डेटा सुरक्षा बढ़ाना और नैतिक और जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इंडियाएआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट की स्थापना करना शामिल है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति संतुलित दृष्टिकोण का समर्थन कर रहा है जो नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ दुरुपयोग को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय भी तैयार करता है।

हिमंता सरकार का चुनावी दांव

सरकारी नौकरियों में चाय बागान जनजातियों के लिए 3% आरक्षण को मंजूरी

गुवाहटी। असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरियों में चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि यह राज्य के सबसे हाशिए पर स्थित वर्गों में से एक के लिए सकारात्मक कार्रवाई का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। यह फैसला असम विधानसभा परिसर में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिया गया है।

जनजातियों और आदिवासी को लाभ मिलेगा

इस कदम से चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों को अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों में मौजूदा कोटा के अतिरिक्त उच्चस्तरीय सरकारी सेवाओं में भी आरक्षण का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि यह निर्णय नीति-निर्माण और प्रशासनिक भूमिकाओं में चाय बागान जनजातियों और आदिवासी युवाओं के अधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के सरकार के इरादे को दर्शाता है।असम की अर्थव्यवस्था में, विशेष रूप से चाय उद्योग के माध्यम से इस समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय वरिष्ठ सरकारी पदों में कम प्रतिनिधित्व वाला रहा है। मंत्रिमंडल ने इस बात पर गौर किया कि प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पदों के लिए आरक्षण का विस्तार करने से चाय बागान जनजातियों और आदिवासी पृष्ठभूमि के शिक्षित युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे, उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा और लंबे समय से चली आ रही सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर करने में मदद

मिलेगी।

आरक्षण संबंधी निर्णय के अलावा, मंत्रिमंडल ने 2026-27 वित्तीय वर्ष के शुरुआती महीनों के लिए असम विधानसभा के समक्ष रखे जाने वाले वोट-ऑन-अकाउंट बजट विवरण को भी मंजूरी दी। एक अन्य महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल के तहत मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) योजना के तहत अतिरिक्त 1,07,532 पात्र महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को उद्यमिता के लिए प्रारंभिक पूंजी जारी करने को मंजूरी दी।

त्रिशा कृष्णन पर भाजपा नेता की 'गंदी बात', नैनार नागेंद्रन के बयान पर तमिलनाडु में सियासी बवाल

चेन्नई **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन द्वारा तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) प्रमुख विजय और अभिनेत्री तृषा के बारे में की गई टिप्पणी पर तीखा प्रहार करते हुए इसे घटिया और अस्वीकार्य बताया और कार्रवाई की मांग की। इस विवाद पर पत्रकारों से बात करते हुए टैगोर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा और आरएसएस में फैली बीमारी जिला स्तर तक, विशेषकर तमिलनाडु में फैल रही है। प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने महिलाओं के खिलाफ ऐसे शब्द कहे हैं जो किसी राजनीतिक नेता को नहीं बोलने चाहिए।

टैगोर ने आगे कहा कि करूर से निर्वाचित सांसद के साथ भाजपा के जिला सचिव और जिला अध्यक्षों द्वारा एक सार्वजनिक सभा में जो किया गया है, वह अस्वीकार्य है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु पुलिस इस तरह की घटिया हरकत करने वालों को गिरफ्तार करेगी। सभी दलों से निंदा का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को इस तरह के व्यवहार की निंदा करनी चाहिए, जो हर तरह के लोग करते हैं

नई दिल्ली से चेन्नई जा रही जीटी एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, धुआं देख यात्रियों में मची भगदड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब नई दिल्ली से चेन्नई जा रही जीटी एक्सप्रेस (ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस) आग की लपटों से घिर गई। यात्रियों के बीच दहशत का माहौल था और जान बचाने की जद्दोजहद के बीच एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गनीमत रही कि रेलवे की त्वरित कार्रवाई और यात्रियों की सूझबूझ से किसी भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

ट्रेन संख्या 12616 नई दिल्ली-चेन्नई जीटी एक्सप्रेस मंगलवार सुबह जब नागपुर से रवाना होकर वर्धा जिले के सिंदी-तुलजापुर सेक्शन पर पहुंची, तभी

सुबह करीब 11:09 बजे ट्रेन के आखिरी गार्ड कोच से काला धुआं और आग की लपटें उठती देखी गईं। लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते कोच धुएं के गुबार में तब्दील हो गया। कोच में मौजूद लोगों ने जैसे ही धुआं देखा, तुरंत अलार्म बजाया गया और ट्रेन को आपातकालीन स्थिति में रोका गया। आग की सूचना मिलते ही मध्य रेलवे के प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सबसे पहले प्रभावित कोच को ट्रेन के बाकी डिब्बों से काटकर अलग किया गया, ताकि आग अन्य बोगियों तक न फैल सके। दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई और यात्रियों को सुरक्षित सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित कोच में मौजूद सभी यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया था, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलहाल इस भीषण आग के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी या इसके पीछे कोई और तकनीकी खराबी थी।

एआई इम्पैक्ट समिटः भारत मंडपम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का युवएआई हैकाथॉन के 3,000 से अधिक छात्रों से संवाद

नई दिल्ली। राजधानी स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान युवएआई हैकाथॉन में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर से आए 3,000 से अधिक छात्रों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न क्षेत्र आधारित, स्थानीय आवश्यकताओं पर केंद्रित एआई समाधान प्रस्तुत किए, जिससे उभरती तकनीकों में मजबूत जमीनी नवाचार और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सामने आई।

एआई को सामाजिक समाधान से जोड़ने पर जोर

संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली साधन है, जिसका उपयोग आम नागरिक भी रोज़मर्रा की चुनौतियों के समाधान तथा अपनी और समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार करने में कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को तकनीक को सामाजिक समस्याओं के समाधान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

वैश्विक स्तर पर एआई इम्पैक्ट समिट को मिली बड़ी प्रतिक्रिया

मंत्री ने यह भी बताया कि एआई इम्पैक्ट समिट को वैश्विक स्तर पर जबरदस्त रुचि मिली है। समिट के माध्यम से लगभग 17 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वेंचर कैपिटल फंडिंग और करीब 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अवसंरचना निवेश का कमिटमेंट सामने आया है, जो भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में दुनिया के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व को बताया सफलता का आधार

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और नीतिगत ढांचे को देते हुए कहा कि इसी दृष्टि के कारण भारत उभरती तकनीकों के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा कि भारत में दुनिया के सबसे बड़े एआई समिट की मेजबानी करना, वैश्विक एआई आंदोलन में देश की बढ़ती भूमिका और प्रभाव को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी सरकार पर तीखा हमला

एआई शिखर सम्मेलन में कुप्रबंधन से 'वैश्विक शर्मिंदगी'

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को एआई शिखर सम्मेलन के कथित कुप्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि भारत के लिए एक शानदार आयोजन बन सकने वाला यह कार्यक्रम पूरी तरह से अराजकता में तब्दील हो गया। खर्गे ने कहा कि भोजन और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आगंतुकों और प्रदर्शकों दोनों को ही अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

एक्स पर एक पोस्ट में, खरगे ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन, जिससे भारत की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने की उम्मीद थी, कथित तौर पर बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन का शिकार हुआ। खरगे ने कहा कि भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाला, पूरी दुनिया के लिए एक शानदार एआई शिखर सम्मेलन बन सकने वाला यह कार्यक्रम, कथित तौर पर इस 'पीआर के भूखे' सरकार द्वारा पूरी तरह से अराजकता और घोर कुप्रबंधन में तब्दील हो गया है!

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि आयोजन के दौरान की गई व्यवस्थाओं के कारण संस्थापकों, प्रदर्शकों और आगंतुकों को 'अत्यधिक परेशानी' का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शकों को भोजन और पानी नहीं मिला और उत्पाद चोरी की घटनाएं भी हुईं। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि पहले दिन प्रधानमंत्री की उपस्थिति से व्यवधान उत्पन्न हुआ, और कहा कि प्रधानमंत्री फोटो खिंचवाने के लिए बिना बुलाए ही कार्यक्रम में आ गए।

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि प्रधानमंत्री के पहले ही दिन फोटो खिंचवाने के लिए बिना बुलाए आने से संस्थापकों, प्रदर्शकों और आगंतुकों - सभी को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शकों को भोजन और पानी नहीं मिला, उनके उत्पाद चोरी हो गए, डिजी यात्रा बुरी तरह विफल रही, लैपटॉप, व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहां तक ??कि बैग भी प्रतिबंधित कर दिए गए, डिजिटल/यूपीआई भुगतान के बजाय केवल नकद भुगतान स्वीकार किया गया, और संस्थापकों को बुनियादी सुविधाओं के बिना भारी रकम चुकानी पड़ी, और भी कई कारणों से परेशानी हुई।

एसआईआर में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अनियमितताओं के अनेक आरोपों के मद्देनजर सात एईआरओ (सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया। कैनिंग पुरबा से दो और सूती, मैनागुरी, शमशेरगंज, देबरा और फरक्का निर्वाचन क्षेत्रों से एक-एक अधिकारी निलंबित किए गए हैं। आयोग ने संबंधित कैडर नियंत्रण प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि निलंबित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए और इस संबंध में आयोग को सूचित किया जाए। इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एसआईआर प्रक्रिया में शामिल इन अधिकारियों द्वारा गंभीर कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा और वैधानिक अधिकार के दुरुपयोग के साक्ष्य मिले हैं। इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय के 9 फरवरी के निर्देश का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सभी फॉर्म-7 आपत्तियों के निपटान के संबंध में एक सख्त संदेश जारी किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक अलग पत्र में कहा गया है कि सभी प्रस्तुत फॉर्म-7 को तुरंत संबंधित ईआरओ और एईआरओ को भेजा जाना चाहिए और प्रत्येक आपत्ति का निपटारा कानून के अनुसार सख्ती से किया जाना चाहिए।

हथियार लेकर घर में घुसे...ममता बनर्जी ने सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कालीघाट आवास पर कई सुरक्षा उल्लंघनों का आरोप लगाया है, जिनमें कथित तौर पर हथियार लेकर परिसर में प्रवेश करने की घटनाएं भी शामिल हैं। विधानसभा चुनाव से पहले एबीपी आनंद को दिए एक साक्षात्कार में बनर्जी ने दावा किया कि कम से कम तीन से चार बार घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। उन्होंने बताया कि एक बार एक व्यक्ति लोहे की छड़ लेकर परिसर में घुसा, जबकि दूसरी बार एक व्यक्ति कथित तौर पर बंदूक लेकर आया था। उन्होंने कहा कि जब भी कुछ होता है, तो कहा जाता है कि वह व्यक्ति मनोरोगी या मानसिक रूप से अस्थिर है। अभी तक कोई उचित जांच नहीं हुई है।

सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ः ममता बनर्जी

हाल ही की एक घटना का जिक्र करते

हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि करीब छह महीने पहले कालीघाट रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने दावा किया कि एक राजनीतिक दल, जो अक्सर उनके लिए परेशानी खड़ी करता है, के सदस्यों ने कैमरों को बंद करवाने के लिए लोगों को भेजा था। उनके अनुसार, स्थानीय निवासियों ने हस्तक्षेप किया और इसमें शामिल लोगों को पकड़ लिया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इस मामले में की गई किसी भी कार्रवाई की जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस की ओर से लापरवाही का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने अपनी निजी सुरक्षा को लेकर जताई जा रही चिंताओं का भी जवाब दिया। गृह विभाग का प्रभार संभालते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देतीं। बनर्जी ने कहा कि मुझे अपनी चिंता नहीं है; मुझे दूसरों की चिंता है।'

अजित पवार प्लेन क्रैश का गहराता रहस्य

संजय राउत का दावा- जल गया ब्लैक बाक्स , हादसा या साजिश?

दिव्यांश

मुंबई।शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 28 जनवरी को हुई विमान दुर्घटना को लेकर पवार परिवार के संदेह का समर्थन करते हुए विमान के जले हुए ब्लैक बॉक्स की स्थिति को रहस्यमय और बेहद गंभीर बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि अजित पवार की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है, जिससे पवार परिवार के संदेह की पुष्टि हुई और सरकार द्वारा जांच के संचालन पर सवाल उठे।

संजय राउत ने कहा कि रोहित पवार उसी परिवार के सदस्य हैं, वे तकनीकी मामलों को समझते हैं। अजित पवार की दुर्घटना के बारे में सामने आ रहे रहस्यमय तथ्य बेहद गंभीर हैं। ब्लैक बॉक्स जल गया है... 20 साल बाद भी ब्लैक बॉक्स मिल गया है, लेकिन अजित पवार की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है। यह कैसे संभव हो सकता है? अगर रोहित पवार ने यह मुद्दा उठाया है, तो यह गंभीर है, और अगर पवार परिवार इसकी जांच करना चाहता है, तो उन्हें ऐसा करना चाहिए। इस मामले

में सरकार की मंशा सही नहीं है।

राउत की ये टिप्पणियां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के नेता रोहित पवार के हालिया आरोपों के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने बारामती लेयरजेट 45 दुर्घटना को महज एक हादसा न मानकर साजिश का मुद्दा बताया था। इस दुर्घटना की जांच विमानन अधिकारियों द्वारा जारी है। बारामती विमान दुर्घटना पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा महाराष्ट्र यह सवाल उठा रहा है कि अजित दादा का विमान हादसा एक हादसा था या साजिश? मैं आप सभी के साथ अपने विचार साझा कर रहा हूं। कुछ लोग अब भी दादा के कहीं से आने की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं कि विमान में 6 लोग थे, वह अजित दादा का शव नहीं था, यह अब भी किसी बुरे सपने जैसा लगता है।

रोहित पवार ने महाराष्ट्र में इन घटनाओं के इर्द-गिर्द व्याप्त संदेह, शोक और राजनीतिक साजिश के माहौल पर प्रकाश डाला। उन्होंने दुर्घटना की जांच का जिक्र करते हुए एक किताब का हवाला दिया, जिसमें सुझाव दिया गया है कि किसी व्यक्ति के ड्राइवर की हत्या करना उसे निशाना बनाने का एक आसान तरीका है। रोहित पवार ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने अपनी योजना बदल दी है, जिससे अटकलें तेज हो गई हैं।

अनधिकृत निर्माणों पर सख्त कार्रवाई, अतिक्रमण विभाग का अभियान तेज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग द्वारा अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। माननीय आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेथे और उप आयुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड के मार्गदर्शन में कोपरखैरणे विभाग क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की गई।

कोपरखैरणे सेक्टर-3 में कार्रवाई

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत कोपरखैरणे, सेक्टर-3 में स्मृ. सुभद्राबाई भगवान अव्हाड, एस.एस. टाइप, कक्ष क्रमांक 983 शैतान सिंह चौहान एवं मनोहर कंवर, एस.एस. टाइप, कक्ष क्रमांक 579 द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध महाराष्ट्र क्षेत्रीय नगर नियोजन एवं नगर विकास अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत दिनांक 11-02-2026 को नोटिस जारी किया गया था। इसके पश्चात संबंधित निर्माण पर आंशिक तोड़फोड़ (डिमोलिशन) की कार्रवाई की गई तथा दोनों मामलों में ?10,000-?10,000, कुल 20,000/- का दंड वसूल किया गया।

तोड़फोड़ अभियान में अधिकारी व संसाधन

इस विशेष अभियान के दौरान कोपरखैरणे विभाग के सहायक आयुक्त श्री भरत यू. धांडे, कनिष्ठ अभियंता श्री चंद्रकांत धोतरे, अन्य अधिकारी/कर्मचारी तथा एन.एम.एम.पी.ए. पुलिस बल उपस्थित था। कार्रवाई के लिए 8 मजदूर, 2 इलेक्ट्रॉनिक हैमर एवं 1 गैस कटर का उपयोग किया गया।

भविष्य में भी जारी रहेगी सख्ती

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में भी इसी प्रकार अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार का अनधिकृत निर्माण न करें।

मध्य रेल द्वारा पनवेल (मुंबई) और अलीपुरद्वार के बीच चलने वाली अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस - (नियमित सेवाएं 23) फरवरी 2026 से शुरू होगी

मुंबई(संवाददाता) ।मध्य रेल 23 फरवरी 2026 से पनवेल-अलीपुरद्वार-पनवेल अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवाएं शुरू करेगा।

हाल ही में आयोजित एक समारोह में माननीय प्रधानमंत्री ने इस ट्रेन की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ट्रेन सेवाओं का विवरण इस प्रकार हैः पनवेल-अलीपुरद्वार-पनवेल अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 11031दिनांक 23.02.2026 से प्रत्येक सोमवार को 11:50 बजे पनवेल से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 13:50 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 11032 दिनांक 26.02.2026 से प्रत्येक गुरुवार को 04:45 बजे अलीपुरद्वार से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05.30 बजे पनवेल पहुंचेगी।

ठहरावः कल्याण, नाशिक रोड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, बरगढ़, प्रयागराज छिवकी, मेजा रोड, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जंक्शन, मुज़फ़्फ़रपुर, समस्तीपुर, हसनपुर रोड, खगड़िया, मानसी, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी, बिन्नागुड़ी और हासीमारा।

संरचनाः 08 शयनयान श्रेणी, 11 सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक पैंट्री कार और 02 लगेज सह गार्ड्स ब्रेक वैन।

आरक्षणः ट्रेन संख्या 11031 के लिए बुकिंग दिनांक 19.02.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी। अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग सामान्य शुल्क पर यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है।

यात्री टिकट बुकिंग के लिए रेलवन ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव के विस्तृत समय की जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

रेलवे द्वारा मुंबई-रीवा विशेष ट्रेनों के 34 सेवाओं का विस्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, रेलवे मुंबई और रीवा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन सेवाओं का विस्तार करेगी : सीएसएमटी मुंबई-रीवा बिशेष - 34 (सेवा)

प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 02188 सीएसएमटी मुंबई-रीवा विशेष ट्रेन अब दिनांक 27.02.2026 से 26.06.2026 तक (17 सेवा) चलेगी।

प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 02187 रीवा-सीएसएमटी मुंबई विशेष ट्रेन अब दिनांक 26.02.2026 से 25.06.2026 तक (17 सेवा) चलेगी।

ट्रेनों के चलने के दिनों, समय, ट्रेनों की संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएं।

आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 02188 के लिए बुकिंग दिनांक 18.02.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर अग्रिम आरक्षण अवधि के अंतर्गत यात्राओं के लिए खुलेगी।

ARP के बाद की यात्राओं के लिए बुकिंग संबंधित अगली ARP तिथियों पर खुलेगी। अनारक्षित कोचों के लिए सामान्य शुल्क के साथ बुकिंग UTS प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। यात्री टिकट बुकिंग के लिए RailOne ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव के विस्तृत समय की जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

पश्चिम रेलवे 12 एसी और 3 नॉन-एसी सेवाएं शुरू करेगी

19 फ़रवरी 2026 से शुरू

ऊपर की दिशा

आरंभिक स्टेशन	अंतिम स्टेशन	प्रस्थान	आगमन	गति	श्रेणी
बोरीवली	चर्चगेट	05:45 बजे	06:51 बजे	धीमी	एसी
बोरीवली	चर्चगेट	08:06 बजे	09:11 बजे	धीमी	एसी
गोरेगांव	चर्चगेट	10:11 बजे	11:09 बजे	धीमी	एसी
बोरीवली	चर्चगेट	17:27 बजे	18:35 बजे	धीमी	एसी
भायन्दर	अंधेरी	20:20 बजे	20:59 बजे	धीमी	एसी
वसई रोड	बोरीवली	22:20 बजे	22:46 बजे	धीमी	एसी
बांद्रा	चर्चगेट	14:57 बजे	15:29 बजे	धीमी	नॉन-एसी

नीचे की दिशा

आरंभिक स्टेशन	अंतिम स्टेशन	प्रस्थान	आगमन	गति	श्रेणी
चर्चगेट	बोरीवली	6:55 बजे	8:00 बजे	धीमी	एसी
चर्चगेट	गोरेगांव	9:14 बजे	10:07 बजे	धीमी	एसी
चर्चगेट	मुंबई सेंट्रल	11:12 बजे	11:22 बजे	धीमी	एसी
महालक्ष्मी	बोरीवली	16:30 बजे	17:23 बजे	धीमी	एसी
चर्चगेट	भायन्दर	18:38 बजे	20:03 बजे	धीमी	एसी
अंधेरी	वसई रोड	21:08 बजे	21:58 बजे	धीमी	एसी
भायन्दर	विरार	10:41 बजे	11:10 बजे	धीमी	नॉन एसी
चर्चगेट	बांद्रा	13:41 बजे	14:12 बजे	धीमी	नॉन एसी

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें और फॉलो करें:
facebook.com/WesternRly X.com/WesternRly Instagram.com/WesternRly https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी का मामला, विधान परिषद समिति के सामने पेश हुए कुणाल कामरा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा मंगलवार को महाराष्ट्र विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए। यह मामला उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणी से जुड़ा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे भी समिति के सामने हाजिर हुईं।

दस मार्च को होगी अगली सुनवाई

हालांकि, समिति के अध्यक्ष प्रसाद लाड ने बताया कि मुख्य शिकायतकर्ता और भाजपा नेता प्रवीण दरेकर वहां मौजूद नहीं थे। इस वजह से सुनवाई अब 10 मार्च को शाम 4 बजे होगी। कामरा और अंधारे ने पत्रकारों को बताया कि शिकायतकर्ता के न होने से उनके बयान दर्ज नहीं किए गए। वे जानना चाहते थे कि उन पर असल में क्या आरोप लगे हैं। प्रसाद लाड के अनुसार, कामरा अपना बयान देने के

लिए तैयार थे। लेकिन दोनों पक्षों की बात एक ही दिन सुनना सही रहता है। इसलिए दरेकर से बात करके नई तारीख तय की गई।

क्या है पूरा मामला?

यह पूरा विवाद पिछले साल शुरू हुआ था। कामरा ने एक पैरोडी गाने में एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा था। उन्होंने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने का इस्तेमाल करके शिंदे की 2022 की बगावत का जिक्र किया था। कामरा ने उन्हें 'देशद्रोही' कहा था। सुषमा अंधारे ने इस मामले में कामरा का समर्थन किया था।

इसके बाद प्रवीण दरेकर ने दोनों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। इस विवाद के बाद कामरा के स्टूडियो में तोड़फोड़ भी हुई थी। शिवसेना की उस धमकी पर उनके रिएक्शन के बारे में पूछे जाने पर, जिसमें उन्हें मुंबई आने पर गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी गई थी, कामरा ने कहा कि वह सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कामरा ने उन खबरों को भी गलत बताया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने खुद सुनवाई टालने की मांग की थी।

तकनीक के माध्यम से कृषि उत्पादों की बिक्री की अद्यतन जानकारी किसानों को शीघ्र उपलब्ध कराई जाए – विपणन मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई। विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने निर्देश दिए हैं कि अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए देश-विदेश के बाजारों में फलों, सब्जियों एवं अन्य कृषि उत्पादों की उपलब्धता तथा प्रत्येक क्षण की खरीद-बिक्री से संबंधित नवीनतम जानकारी किसानों को त्वरित रूप से उपलब्ध कराने हेतु एक सक्षम प्रणाली विकसित की जाए। इससे किसानों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की स्थिति का सटीक आकलन प्राप्त होगा और वे प्रतिस्पर्धी दरों पर अपने कृषि उत्पादों की बिक्री कर सकेंगे। इसके लिए वैश्विक विपणन प्रणाली का अध्ययन कर आवश्यक व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल की बैठक

महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल की बैठक सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित की गई। इस अवसर पर मंडल के संचालक ए. चरण सिंह ठाकुर, संचालक सर्वश्री नारायण पाटिल, संजय काजले पाटिल, प्रवीण कुमार नाहटा, कृषि विपणन संचालक एवं महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल के कार्यकारी संचालक संजय कदम, महाप्रबंधक विनायक कोकरे तथा मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिस्पर्धी मूल्य सुनिश्चित करने पर जोर

विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि सरकार किसानों को उनके कृषि उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए विभाग घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की वर्तमान स्थिति, कृषि उपज की आवक तथा प्राप्त होने वाले मूल्यों की अद्यतन जानकारी किसानों तक पहुँचाने हेतु तकनीक आधारित सशक्त विपणन प्रणाली विकसित कर रहा है। यदि प्रत्येक क्षण के बाजार भाव की जानकारी उपलब्ध होगी, तो किसान यह निर्णय आसानी से कर सकेंगे कि वे किस बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री अधिक लाभकारी ढंग से कर सकते हैं।

अफवाहों से होने वाले नुकसान पर चिंता

उन्होंने कहा कि घरेलू कृषि उत्पादों की उपलब्धता तथा देश-विदेश के बाजार मूल्यों की सही जानकारी के अभाव में कई बार अफवाहें फैलाकर कृषि उत्पादों के दाम गिरा दिए जाते हैं, जिससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को नुकसान होता है। इस संदर्भ में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक क्षण की जानकारी अद्यतन रखने और उसे प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया।

एशियाई विकास बैंक की सहायता से योजनाएँ

मंत्री रावल ने निर्देश दिए कि एशियाई विकास बैंक की सहायता से विश्वस्तरीय एवं अत्याधुनिक परियोजना तैयार की जाए। साथ ही राज्य की कृषि उपज बाजार समितियों को आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए भी एशियाई विकास बैंक की सहायता से कार्रवाई की जाए। मौसम के अनुसार प्रत्येक फल एवं सब्जी फसल की उपलब्धता और बाजार मूल्य की जानकारी सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित की जाए। उन्होंने भौगोलिक पहचान के अनुसार उत्पादों की ब्रांडिंग कर उनके प्रभावी प्रचार पर भी जोर दिया।

मार्गदर्शन मेले और फसल महोत्सव

फलों, सब्जियों एवं अन्य कृषि उत्पादों की बिक्री व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन मेलों का आयोजन किया जाना चाहिए। इन मेलों के माध्यम से उत्पादकों, विक्रेताओं और निर्यातकों को घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की जानकारी दी जाए।

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 180 to 183 of 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (WA/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (₹ में)	बोली सुरक्षा जमा कराना (₹ में)	निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय
1	DRM BRC 180 of 2025-26.	वडोदरा मंडल: 110 डीईएन (डब्ल्यू) क्षेत्राधिकार में विभिन्न स्टाफ सुविधाओं, जैसे रसोई, फर्श, ड्रेनेज लाइन और छत की मरम्मत में सुधार।	4,60,81,669.51	3,80,400.00	निविदाएं दि. 09.03.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी।
2	DRM BRC 181 of 2025-26.	सहायक मंडल इंजीनियर, आनंद के अधीन बीआर. संख्या 624 (माही नदी) और सहायक मंडल इंजीनियर, गोधरा के अधीन बीआर. संख्या 65 (माही नदी) और एडीईएन (एस) भरूच के अधीन बीआर. संख्या 452 (तापी नदी) और बीआर. संख्या 502 (नर्मदा नदी) (02 वर्षों के लिए कुल 04 पुल स्थान) के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क और दूरस्थ साइट वार्षिक रखरखाव और तकनीकी सहायता और हार्डवेयर एएमसी (AMC)।	9,53,993.49	19,100.00	निविदाएं दि. 09.03.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी।
3	DRM BRC 182 of 2025-26.	सहायक मंडल अभियंता आनंद के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर २४ महीनों तक सड़क मार्ग से टैंकरों द्वारा पीने योग्य पानी की आपूर्ति करना।	44,91,658.53	89,800.00	निविदाएं दि. 11.03.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी।
4	DRM BRC 183 of 2025-26.	सहायक मंडल अभियंता आनंद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्टाफ कॉलोनी और यार्ड की भूमिगत जल निकासी व्यवस्था की सफाई और डीसिल्टिंग (गाद) निकालने के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध। (24 महीने)	25,76,287.62	51,500.00	निविदाएं दि. 13.03.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी।

वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390 004.

BRC-361

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें : twitter.com/WesternRly

भारत का पहला मुंबई क्लाइमेट वीक मुख्यमंत्री के हाथों उद्घाटित

जलवायु कार्रवाई कार्यक्रम को गति देगा मुंबई क्लाइमेट वीक, नेतृत्व के लिए महाराष्ट्र तैयार– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में मुंबई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा, यह प्रतिपादन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जलवायु कार्रवाई पहलों में नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा यह स्पष्ट किया कि जलवायु कार्रवाई केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक प्रतिस्पर्धा की कुंजी भी है।

मुख्यमंत्री मुंबई क्लाइमेट वीक के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, महाराष्ट्र की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे, प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी, पर्यावरण विभाग की सचिव जयश्री भोज, मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े, एमएमआरडीए महानगरीय आयुक्त संजय मुखर्जी तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के निदेशक मार्टिन क्राउस सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

जलवायु परिवर्तन एक गंभीर प्रशासनिक चुनौती

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई जैसे तटीय महानगर पहले से ही जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना

कर रहे हैं। भारी वर्षा से परिवहन व्यवस्था बाधित होती है, घरों में जलभराव होता है, व्यवसाय ठप पड़ते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। लू और अत्यधिक गर्मी का प्रभाव निर्माण श्रमिकों, फेरीवालों और किसानों पर पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में असमय वर्षा से कटाई की गई फसलें नष्ट हो जाती हैं, जिससे बड़े पैमाने पर आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन अब एक गंभीर प्रशासनिक चुनौती बन चुका है। संतुलित विकास और हरित ऊर्जा की दिशा में भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। देश ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेज प्रगति की है और स्वच्छ ऊर्जा विस्तार में वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है। इस परिवर्तन में महाराष्ट्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां पहले ही पर्याप्त ऊर्जा क्षमता विकसित की जा चुकी है। राज्य का लक्ष्य वर्ष 2030 तक हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक करने का है, जिसमें स्वच्छ हाइड्रोजन, विद्युत गतिशीलता, जैव ईंधन और सतत अवसंरचना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आर्थिक अवसर के रूप में जलवायु कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र जलवायु कार्रवाई को केवल नियमों के पालन के रूप में नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन के बड़े अवसर के रूप में देखता है। वैश्विक पूंजी तेजी से सतत बाजारों की ओर बढ़ रही है और निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियाँ अधिक सुलभ होती जा रही हैं। जो राज्य तेजी से अनुकूलन करेंगे, वही पूंजी और कुशल प्रतिभा को आकर्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र इस परिवर्तन का नेतृत्व करेगा।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित प्रयास

उन्होंने बताया कि उद्योगों में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के विस्तार, शहरों में विद्युत गतिशीलता को बढ़ावा देने और सार्वजनिक परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स प्रणालियों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही बाढ़ प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करने, जलवायु-स्मार्ट शहरी नियोजन और डेटा आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों पर भी कार्य चल रहा है।

पीएम-कुसुम में महाराष्ट्र का सशक्त प्रदर्शन, एक लाख अतिरिक्त सौर पंपों की घोषणा– केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने घोषणा की कि पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के सशक्त प्रदर्शन को देखते हुए राज्य को एक लाख अतिरिक्त सौर पंपों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि मुंबई क्लाइमेट वीक जलवायु से जुड़ी चर्चाओं को ठोस कार्रवाई में बदलने का प्रतीक है। भारत, जो विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, उत्सर्जन में कमी लाने के लिए निर्णायक कदम उठा रहा है और यह प्रदर्शित कर रहा है कि आर्थिक विकास को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ किस प्रकार जोड़ा जा सकता है। महाराष्ट्र ने जनभागीदारी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जहां लाखों घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। राज्य ने सौर ऊर्जा के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं तथा ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता के लिए तकनीकी समाधानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आत्मनिर्भरता

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पीएम-कुसुम और रूफटॉप सोलर योजनाओं के माध्यम से किसान और नागरिक स्वयं बिजली का उत्पादन कर रहे हैं और लागत में कमी ला रहे हैं। बीते दशक में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें सौर और पवन ऊर्जा का तेजी से विस्तार हुआ है। ऊर्जा भंडारण, ग्रिड स्थिरता

और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मांग प्रबंधन पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। भारत ने कम लागत वाले हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के क्षेत्र में भी वैश्विक मानक स्थापित किए हैं, जिससे उद्योग और कृषि दोनों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मुंबई जलवायु नेतृत्व में ग्लोबल साउथ की सशक्त आवाज़ के रूप में उभरेगी।

स्मारक डाक टिकट और महत्वपूर्ण समझौते

इस अवसर पर मुंबई क्लाइमेट वीक के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी विशेष स्मारक डाक टिकट तथा एक जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट का विमोचन देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा किया गया। इसके साथ ही मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के बीच मुंबई के लिए जलवायु-सहिष्णु योजनाएँ तैयार करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, एमएमआरडीए और सी40 सिटीज क्लाइमेट लीडरशिप ग्रुप के बीच भी जलवायु कार्रवाई और शहरी समाधान को सुदृढ़ करने के लिए एक अन्य समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ।

शिव जयंती के अवसर पर वाशी एवं नेरुल स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को नमन

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से भव्य आयोजन

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से दिनांक 19 फरवरी 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई जाएगी।

इस अवसर पर प्रातः 9.00 बजे वाशी स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में अश्वारूढ़ प्रतिमा को तथा प्रातः 9.30 बजे सेक्टर 1, नेरुल स्थित सिंहासन प्रतिमा को महापौर श्रीमती सुजाता सूरज पाटिल के शुभ हस्तों से माल्यार्पण कर अभिवादन किया जाएगा।

इसी प्रकार प्रातः 10.00 बजे नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन किया जाएगा।

इस अवसर पर उपमहापौर, आयुक्त एवं अन्य मान्यवर उपस्थित रहेंगे। साथ ही नागरिकों से भी भगवान शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

मुंबई क्लाइमेट वीक में पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे का संबोधन

कार्रवाई आधारित संघर्ष का संदेश, जलवायु कार्रवाई में युवाओं की भूमिका अहम

मुंबई। जलवायु कार्रवाई के लिए सरकार, शहरी संस्थाओं और नागरिकों के बीच साझेदारी आवश्यक है तथा इसमें युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सामुदायिक जागरूकता, जलवायु साक्षरता और युवा पहलों के माध्यम से टिकाऊ महाराष्ट्र के निर्माण के प्रयास किए जा रहे हैं, यह प्रतिपादन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने किया।

मुंबई क्लाइमेट वीक का भव्य शुभारंभ जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुंबई क्लाइमेट वीक का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी, पर्यावरण विभाग की सचिव जयश्री भोज, मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े, एमएमआरडीए महानगरीय आयुक्त संजय मुखर्जी, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के निदेशक मार्टिन क्रूस सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वैश्विक सहयोग से ही सफल होगी जलवायु कार्रवाई

पंकजा मुंडे ने कहा कि मुंबई क्लाइमेट वीक के मंच पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधि एकत्र हुए हैं और जलवायु कार्रवाई केवल वैश्विक सहयोग तथा व्यवहार्य साझेदारियों से ही सफल हो सकती है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध संघर्ष अब केवल चर्चाओं तक सीमित न रहकर वास्तविक क्रियान्वयन के चरण में प्रवेश कर चुका है। दुनिया भर के शहर जलवायु कार्रवाई की जिम्मेदारी उठा रहे हैं और मुंबई क्लाइमेट वीक इस वैश्विक आंदोलन में भारत का ठोस एवं कार्रवाई आधारित योगदान है।

सांस्कृतिक मूल्य और महाराष्ट्र की चुनौतियाँ

उन्होंने हमारी संस्कृति की भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उल्लेख करते हुए कहा कि जलवायु कार्रवाई सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक क्षेत्र पर पड़ने वाला प्रभाव अंततः सभी को प्रभावित करता है। महाराष्ट्र और विशेष

रूप से मुंबई के समक्ष खड़ी जलवायु चुनौतियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। बढ़ता शहरी तापमान, अतिवृष्टि, बाढ़, तटीय दबाव तथा वायु गुणवत्ता पर बढ़ता असर गंभीर विषय हैं। वहीं ग्रामीण महाराष्ट्र भी अनियमित सूखा और बाढ़ से प्रभावित हो रहा है। इस पृष्ठभूमि में मुंबई क्लाइमेट वीक केवल चर्चा का मंच नहीं बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन और वित्तपोषण के उपायों को बढ़ावा देने का प्रयास है। उन्होंने सभी से इस मंच पर सक्रिय सहभागिता और व्यवहार्य समाधान प्रस्तुत करने की अपील की।

जलवायु संवेदनशील विकास की दिशा में महाराष्ट्र

मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि औद्योगीकरण, शहरीकरण और विकास में अग्रणी महाराष्ट्र जलवायु संवेदनशील विकास की दिशा अपना रहा है, जिसमें जलवायु लचीलापन, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन का समन्वय किया जा रहा है। ऊर्जा, शहरी विकास, जल और अवसंरचना सहित सभी क्षेत्रों में स्थिरता को केंद्र में रखकर कार्रवाई आधारित नीति लागू की जा रही है। सार्वजनिक अवसंरचना में नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता के विस्तार, नगर नियोजन में जलवायु जोखिमों को शामिल करने तथा क्षेत्रवार सतत नियोजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भविष्य के लिए मजबूत साझेदारी का आह्वान

उन्होंने कहा कि चुनौतियों का दायरा व्यापक है, जिसके लिए मजबूत साझेदारियों और नवाचार की आवश्यकता है। सरकार का लक्ष्य राज्य और देशभर में जलवायु संवेदनशील नियोजन और लचीली अवसंरचना को मानक व्यवहार बनाना है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के शहरों सहित 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। पूर्व संवादों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के साथ साझा पर्यावरणीय चिंताओं और समाधानों पर चर्चा हुई है। उन्होंने सभी से एक ही दिशा में सोचने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के सामूहिक लक्ष्य को अपनाने की अपील की।

बारामती विमान हादसाः 'अजित पवार की मौत की सीबीआई जांच हो', पत्नी सुनेत्रा ने की मांग; सीएम फडणवीस से की मुलाकात

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस दौरान सुनेत्रा पवार समेत सभी एनसीपी के नेताओं ने 28 जनवरी को हुए बारामती विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस दुर्घटना में अजीत पवार की मौत हो गई थी। वरिष्ठ एनसीपी नेता सुनील तटकरे ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार इस मामले में केंद्र के गृह मंत्रालय से संपर्क करेगी।

बता दें कि सुनेत्रा पवार के साथ तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, हसन मुश्रीफ और अजीत पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सीबीआई जांच की मांग वाला पत्र भी सौंपा। एनसीपी नेता अजित पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में हुए प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। इससे पहले एएआईबी

ने कहा कि जानलेवा क्रैश में शामिल लियरजेट 45 प्लेन के कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से डेटा निकालने के लिए स्पेशल मदद मांगी गई है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने भरोसा दिया- तटकरे

इस दौरान तटकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय से बात करेगी। सरकार ने पहले ही स्वतंत्र एजेंसियों से जांच शुरू कर दी है और कहा है कि वह सीबीआई जांच का आदेश देगी। हमें लगता है कि केंद्रीय एजेंसी की जांच पूरी होगी। उन्होंने कहा कि एनसीपी विधायक दल पूरी तरह सुनेत्रा पवार के साथ है और कोई असहमति नहीं है। तटकरे ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनसे एनसीपी ऑफिस में मुलाकात की और हाल ही में जिला परिषद में महायुति गठबंधन की जीत के बाद आगे के रास्ते पर चर्चा की।

मंत्री नरहरि जिरवाल के मामले में भी बोले तटकरे

तटकरे ने यह भी कहा कि पिछले हफ्ते मंत्रालय में एनसीपी मंत्री नरहरि जिरवाल के ऑफिस में रिश्वतखोरी जैसी घटनाएं सरकार और मंत्रियों की छवि खराब करती हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों से कहा गया है कि वे यह पक्का करें कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और उनके ऑफिस में नियुक्तियां पूरी जांच के बाद की जाएं। बता दें कि पिछले हफ्ते, एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के एक क्लर्क को राज्य सचिवालय, मंत्रालय में कथित तौर पर 35,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था।

पार्थ पवार को मिली बड़ी राहत, जांच समिति ने दी क्लीन चिट; दो अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पुणे की बहुचर्चित जमीन खरीद मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत मिली है। जांच समिति ने पार्थ पवार को क्लीन चिट देते हुए दो सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की है।

सौदे में शामिल दो अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खरगे की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने पाया कि जमीन सौदे में पार्थ पवार की सीधी अनियमितता साबित नहीं होती, हालांकि सौदे की प्रक्रिया में शामिल दो अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इस रिपोर्ट में हवेली के तहसीलदार सूर्यकांत येवले और असिस्टेंट रजिस्ट्रार रविंद्र तारू के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। दोनों अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और वे फिलहाल जेल में हैं।

क्या है पूरा मामला?

यह जमीन पुणे के मुंढवा इलाके में स्थित है, जिसे अजित पवार और सुनेत्रा पवार के बेटे पार्थ पवार की 'अमेडिया' कंपनी ने खरीदा था। आरोप था कि करीब 1800 करोड़ रुपए बाजार मूल्य वाली जमीन मात्र 300 करोड़ रुपए में खरीदी गई और 21 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी भी माफ कर दी गई। मामला सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

जांच समिति ने राजस्व मंत्री को सौंपी रिपोर्ट

विवाद बढ़ने पर तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस सौदे को रद्द करने की घोषणा की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्तृत जांच के आदेश दिए थे। अब जांच रिपोर्ट राजस्व मंत्री को सौंप दी गई है और जल्द ही इसे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। लगभग 1800 करोड़ रुपए मूल्य की महार वतन जमीन को 300 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के आरोपों की जांच कर रही समिति ने अपनी रिपोर्ट सोमवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को सौंप दी।

राज्य में भारी बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता

नासिक कुंभ मेले की पृष्ठभूमि में लंबित कार्य तुरंत पूरे करने के निर्देश– सार्वजनिक बांधकाम मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले

मुंबई। राज्य में हुई भारी बारिश के कारण सड़कों और पुलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा है। इस पृष्ठभूमि में सार्वजनिक बांधकाम मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले ने निर्देश दिए हैं कि पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों तथा प्रमुख मार्गों की मरम्मत को तात्कालिक प्राथमिकता दी जाए।

मंत्रालय में समीक्षा बैठक, वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित

मंत्री भोसले ने ये निर्देश मंत्रालय में आयोजित सार्वजनिक बांधकाम विभाग की बजट सत्र कार्य-समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैस्कर, सड़क विभाग के सचिव संजय दाशपुते, निर्माण विभाग के सचिव आबासाहेब नगरगोजे, उप सचिव प्रज्ञा वाल्के, उप सचिव निरंजन तेलंग तथा सार्वजनिक बांधकाम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आधुनिक तकनीक और टिकाऊ निर्माण पर जोर

मंत्री ने कहा कि राज्य में नई सड़कों के निर्माण के दौरान यातायात को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों और अधिक वर्षा वाले इलाकों में सड़कों की गुणवत्ता और दीर्घकालिक टिकाऊपन के लिए निश्चित मानक तय किए जाएँ तथा ऐसे कार्य किए जाएँ, जिससे सड़कों की आयु बढ़ सके। शहरों और जिलों को जोड़ने वाली सड़कों का भी इसी पद्धति से विकास किया जाए।

नासिक कुंभ मेले की तैयारियाँ तेज करने के निर्देश

अगले वर्ष नासिक में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के मद्देनज़र श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंत्री भोसले ने निर्देश दिए कि शहर के सभी रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, एक्सप्रेसवे तथा अन्य अधोसंरचना सुविधाओं को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों के कार्य तुरंत पूरे किए जाएँ। इसके लिए अधिकारी स्तर पर समन्वय कर समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

राजमार्गों पर महिलाओं के लिए सुविधाएँ

इसके अतिरिक्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक बांधकाम विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य के प्रमुख राजमार्गों और सड़कों पर महिलाओं के लिए शौचालय एवं विश्राम केंद्रों के निर्माण सहित अधोसंरचना सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सम्पादकीय

दुनिया में एआई का बढ़ता प्रभाव, विकास की नई दिशा या रोजगार और समाज के लिए नई चुनौती, अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है।

इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई।

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है। चिकित्सा जगत में एआइ का उपयोग बीमारी की पहचान से लेकर इलाज में भी होने लगा है। अपराध पर लगाम लगाने के मामले में एआइ की उपयोगिता साबित हो चुकी है।

शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। जाहिर है, विकास के नए मानक रचने और आधुनिक दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए एआइ के मामले में हर वक्त अद्यतन रहने की जरूरत होगी।

मगर रोजगार के अवसरों के सिकुड़ने से लेकर कई स्तर पर लोगों की जिंदगी से जुड़े बहुस्तरीय जोखिम के जैसे मामले तेजी से सामने आने लगे हैं, उसका हल निकालना सबसे बड़ी चुनौती होगी। साथ ही एआइ डेटा केंद्रों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और पानी की खपत को लेकर जिस तरह की चिंताएं उभरी हैं, अगर उसका कोई ठोस हल नहीं निकाला गया, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर विकास कसौटी पर होगा।

जब शब्द चुप हो जाते हैं, मन की शांति, आत्मसंयम और सही समय पर सही बात कहने की ताकत है मौन

मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

कुछ भाव-भावनाओं के लिए तो शब्दकोश में शब्द खोजते रह जाते हैं, लेकिन नहीं मिलता। वहीं भाव भंगिमा की सहायता से मौन के सहारे एकदम सटीक, बेहतर तरीके से अपनी बात कह देते हैं।

कुछ लोग शब्दों की अनुपस्थिति को मौन मान लेते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। मौन का मतलब सिर्फ शब्दों का अभाव नहीं है, बल्कि आंतरिक शांति, स्पष्टता और समझ पाने की गहरी क्षमता है। इससे इंसान के भीतर आत्मचिंतन और एकाग्रता में इजाफा होता है। मौन उसे ही माना जा सकता है, जहां हमारा चित्त पूरी तरह से शांत हो।

वहीं बिना वजह का बोलना हमारी ऊर्जा का फिजूल खर्च है। ऐसी जगह पर शाब्दिक 'मौन' ऊर्जा की बचत ही करता है। साथ ही अत्यधिक वाचाल होना विभिन्न प्रकार के विवादों को न्योता देना होता है, जिससे हम अनावश्यक विवाद में उलझते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मौन को वरदान

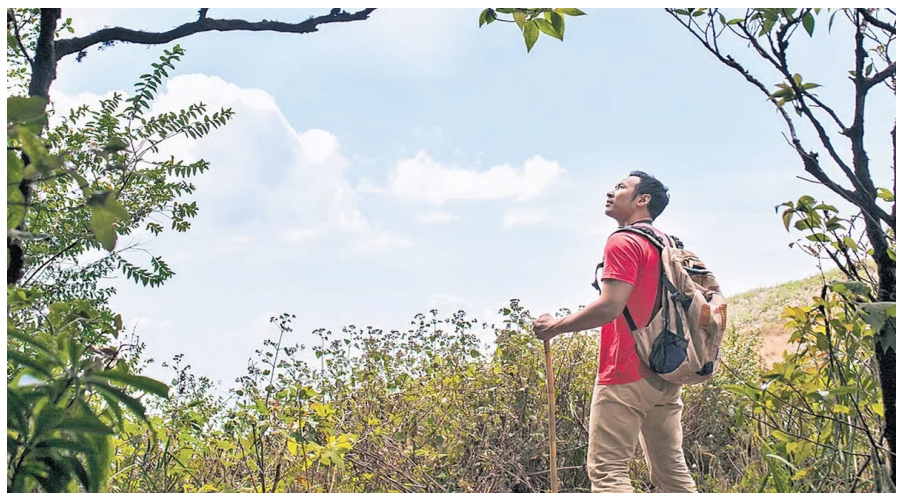

के तौर पर देखा जाता है। इसके जरिए हम खुद के साथ ज्यादा गहराई से जुड़ते हैं। जब हम मौन में रहते हैं, तो अपने ऊपर चिंतन-मनन करते हैं। अपने जीवन के बारे में ठीक-ठाक विश्लेषण करते हैं, जो हमारे जीवन में सार्थक और चमत्कारिक बदलाव लाता है।

इससे हम दुनिया के बाहरी शोर को परे रखकर आंतरिक ज्ञान और स्थिरता पाते हैं। यह सब हमारे मन को शांत करता है और जीवन को सकारात्मक बनाता है। कहा जा सकता है कि मौन हमारा आध्यात्मिक और व्यक्तिगत विकास करता है।

मौन की एक शक्ति हमारे परिस्थितिजन्य तात्कालिक आवेग को रोक कर कुछ भी अनुचित कहने से रोकना है, जो रिश्तों को बचाने का काम करता है। अक्सर अत्यधिक बोलने वाले आवेग में ऐसी बातें बोल देते हैं, जो लोगों को अप्रिय लगती है और फिर रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो जाता है।

पर जिन्हें मौन का अभ्यास होता है, वे अपने तात्कालिक आवेग पर नियंत्रण रख लेते हैं। बाहर से देखने पर मौन में भले खामोशी दिखती है, लेकिन यह एक सक्रिय अवस्था है जो जीवन में आंतरिक शक्ति, शांति जीवन में लाने का कार्य करती है।

जानकार लोग भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि हम केवल न बोलने को मौन समझ लेते हैं, जबकि वास्तव में मौन तब होता है, जब मन की खटपट मिट जाए, मन पूरी तरह शांत हो जाए। हमारे होंठ भी इसी कारण चलते हैं, क्योंकि जब मन अशांत होता है, तब हम मौन होकर भी मौन नहीं होते हैं। शब्दहीनता को मौन समझ लेना इसका सस्ता अर्थ लगाना है।

श्रीमद्भागवत गीता में मौन को मानसिक 'तप' के साथ-साथ आत्मसंयम का साधन और ईश्वर की वाणी सुनने का मार्ग बताया गया है। मौन का अर्थ केवल वाणी से नहीं, बल्कि मन की चंचलता को रोकने से है। और मन की चंचलता को रोकना अपने आप में दुसाध्य कार्य है। मौन का अर्थ कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आत्म साक्षात्कार, मानसिक शांति, आध्यात्मिक प्रगति के लिए एक आवश्यक साधन है।

किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं- सकारात्मक और नकारात्मक। मौन का नकारात्मक पहलू यह है कि यह कई बार अर्थ का अनर्थ भी कर देता है। भले ही इसके बहुत सारे लाभ हों, लेकिन अक्सर यह संशय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर देता है।

इसे एक दुधारी तलवार की तरह देखा जा सकता है, जो अपने नकारात्मक पक्ष में भी ज्यादा धारदार या नुकसानदेह नहीं है। फिर भी इसमें थोड़ी धार तो होती ही है। इसलिए मौन का भी उपयोग करते हुए सचेत रहने की जरूरत होती है। अगर सही समय पर सही बात को नहीं बोला जाए तो गलतफहमी भी उत्पन्न करता है। अक्सर हमारे मौन को हमारी असहमति या कमजोरी मान लिया जाता है, जिससे स्थिति सुधरने के बजाय और भी बिगड़ जाती है।

जब संवाद रुक जाता है, तब मौन से भावनाएं मर जाती हैं और रिश्तों में विश्वास और असुरक्षा की भावना पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। मौन वही सही है, जो मन को शांति दे। जब किसी विषय वस्तु पर कोई व्यक्ति चुप रहता है, तो अन्य लोग उसकी चुप्पी को बहुत ही आसानी से सहमति या असहमति मान लेते हैं। जबकि हर बार ऐसा नहीं होता है।

हो सकता है कि वह व्यक्ति किसी अन्य परेशानी में उलझा हुआ हो या उस स्थिति के लिए कुछ सही शब्द नहीं मिल रहे हों, जिसके कारण वह फिलहाल चुप है। हालांकि बहुत बार ऐसा भी होता है कि किसी गंभीर मुद्दे पर चुप्पी कोई हल निकालने के बजाय समस्या को दोगुना बढ़ा देती है।

समाधान के लिए बात करना जरूरी होता है और वह भी समय पर। अगर समय पर बात नहीं की जाए, तो कई बार स्थिति हाथ से निकल जाती है। कहा जा सकता है कि समय के मुताबिक मौन अपनी जगह पर सही है और संवाद भी अपनी जगह पर सही है। बस इनमें से किसी का चुनाव समय और जरूरत के मुताबिक और सतर्कता से हो।

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है।

हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक

भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंततः उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा।

अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है।

मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंततः पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो।

सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है।

पाण्डेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव में तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का समापन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र स्थित पांडेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव में आयोजित तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।कार्यक्रम के दौरान पाण्डेश्वर नाथ धाम के महंत अखिलेश गिरि एवं पुजारी विवेक गिरि को सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र भेंट किया गया। वहीं मेला अध्यक्ष विनीत बंसल और जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार को ग्राम प्रधान तथा भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष महेन्द्र गिरि द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में सुशील मिश्रा, प्रकाश शुक्ला, संतोष पटेल, सुरेन्द्र, बृजेश यादव पटेल, विपिन यादव, प्रमोद यादव, रिंकू, भोले गिरि, बृजेश तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।समापन अवसर पर आयोजकों ने मेले के सफल संचालन में सहयोग करने वाले प्रशासन, पुलिस और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। तीन दिनों तक चले इस मेले में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

जमीनी विवाद में सगे भाई भिड़े

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव में मंगलवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के बीच कहासुनी गाली-गलौज और हाथापाई हो गई। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझने का प्रयास किया बात ना मानने पर पुलिस दोनों भाइयोंबृजभान यादव और राजबहादुर यादव–को पूछताछ के लिए थाने उठा लाई है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

यूपी बोर्ड के हाईस्कूल, इण्टर की परीक्षाएं आज से हाईस्कूल में 2761696, इंटर में 257682 परीक्षार्थी होगे शामिल

8033 परीक्षा केन्द्रों पर होगी परीक्षा, 20 सेण्टरों पर लगेगे जैमर, 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील, 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था माध्यमिक शिक्षा परिषद यानि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बुधवार 18 फरवरी बुधवार से प्रदेश के 8033 परीक्षा केन्द्रों पर होने जा रही है जो 12 मार्च तक चलेंगी। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षा में हाईस्कूल के 27 लाख 61 हजार 696 और इंटरमीडिएट के 25 लाख 76 हजार 82 को मिलाकर 53 लाख 37 हजार 778 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 20 परीक्षा केन्द्रों पर जैमर लगेगा। यूपी बोर्ड ने नकल विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित होंगी। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 15 कार्य दिवसों में संपन्न कराई जाएंगी जबकि यूपी बोर्ड की 2025 की परीक्षा में 54 लाख 38 हजार 597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। हाईस्कूल में 27 लाख 40 हजार 151 और इंटरमीडिएट में 26 लाख 98 हजार 446 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 2025 की बोर्ड परीक्षा में कुल 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

वहीं यूपी बोर्ड की- 2026 की परीक्षाएं पूरे प्रदेश में 8033 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने जा रही हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की निगरानी रहेगी और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है। स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। नकल माफियाओं और अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

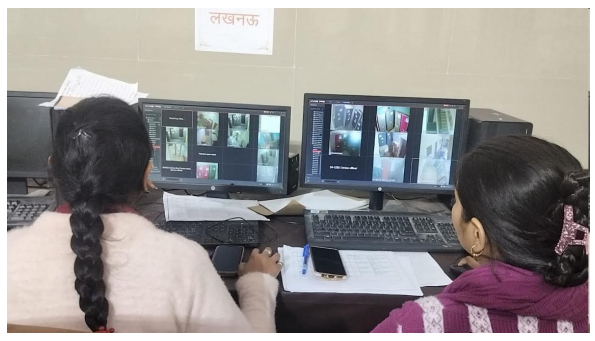

इनमें आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोंडा शामिल है। इन जिलों में कुछ विषयों और तिथियों को अधिक संवेदनशील मानते हुए विशेष निगरानी और कड़े प्रशासनिक इंतजाम किए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड ने 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। अति संवेदनशील 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए जाएंगे। नकल रोकने के लिए पुलिस और यूपीएसटीएफ से भी मदद मांगी गई है। अति संवेदनशील और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की हर दिन कम से कम दो बार चेकिंग कराई जाएगी। नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी और उसे एक साल के लिए परीक्षा से डिबार किया जाएगा। जबकि शिक्षक, प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करते पकड़े जाने पर 2024 के यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें 7 साल की सजा और एक करोड़ जुर्माने तक का प्रावधान किया गया है।

यूपी बोर्ड ने नकल रोकने के लिए इस बार कॉपियों के लेआउट में भी बदलाव किया है। इसके अलावा हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की कॉपियों के कलर भी चेंज किए हैं। खास बात यह है कि इस बार परीक्षार्थियों को हर पेज पर अनुक्रमांक दर्ज करना होगा।

यूपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा को फुल प्रूफ बनाने के लिए इस बार परीक्षा केंद्रों पर कर्मचारियों को क्यू आर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किया है। अब तक यूपी बोर्ड की ओर से कक्ष निरीक्षकों को तो परिचय पत्र जारी होते थे लेकिन अन्य कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। परीक्षा केंद्रों में अनाधिकृत कर्मचारियों की उपस्थित रोकने के लिए इस तरह के कदम उठाए गए हैं।

माघ मेला में भिक्षावृत्ति उन्मूलन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दामोदर दास महाराज ने सामाजिक सुधार पर दिया जोर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र स्थित संगम अपर महावीर चौराहा पर सती अनुसूइया के खालसा में माघ महोत्सव के विदाई समारोह के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संत ब्रह्मऋषि दामोदर दास महाराज ने कहा कि भारत आध्यात्मिक परंपराओं और साधना की भूमि है, जहां संतों और साधकों की तपस्या से समाज को दिशा मिलती रही है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भी कर्म, साधना और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

दामोदर दास महाराज ने सामाजिक समरसता, कानून व्यवस्था और विशेष रूप से बाल भिक्षावृत्ति पर सख्त नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सरकार से संविधान के अनुरूप कठोर कानून लागू करने और प्रभावी निगरानी व्यवस्था स्थापित करने की मांग की। इस अवसर पर उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना करते हुए

कहा कि मजबूत शासन व्यवस्था से ही देश की एकता और अखंडता सुरक्षित रह सकती है।

कार्यक्रम में परिवर्तन संस्था के प्रदेशाध्यक्ष मोनू गुप्ता सहित देवेंद्रदास, ओम दास, राघव दास, महावीर दास, गोविंद दास, गणेश दास, कैलाश दास, रघुनाथ दास, ज्योतिषी गोवर्धन दास, हरिदास, कृष्ण मोहन, राधा, गोविंद एवं ध्यान दास सहित अनेक संत-महात्मा और समाजसेवी उपस्थित रहे। संगोष्ठी का उद्देश्य समाज से भिक्षावृत्ति की प्रवृत्ति को समाप्त कर लोगों को आत्मनिर्भर बनाना, नैतिक मूल्यों को मजबूत करना तथा राष्ट्रहित में जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पण्डिला मेले में युवक की पिटाई, पसली की हड्डी टूटी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना थरवई क्षेत्र स्थित पांडेश्वर नाथ धाम में लगे पण्डिला महादेव मेले के दौरान एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया है।जानकारी के अनुसार मौहरिया गांव निवासी 16 वर्षीय प्रिंस यादव पुत्र सुरेश यादव दर्शन-पूजन के बाद मेले में खरीदारी कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में युवक के सीने की पसली की हड्डी टूट गई घायल अवस्था में परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित प्रिंस यादव ने घटना के संबंध में थरवई थाने में लिखित तहरीर दी है।पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शराब पीने के लिए पैसा नहीं दिया तो दबंग ने दुकानदार को मारपीट कर किया घायल

थरवई। थाना थरवई क्षेत्र के अडनपुर गांव में मंगलवार दोपहर शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया दुकानदार ने पैसा देने से मना किया तो दबंग युवक ने सैलून संचालक की पिटाई कर दी। घटना में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार अडनपुर निवासी मोहम्मद लाल गांव के सामने सड़क पर सैलून की दुकान चलाता हैं। पड़ोसी गांव उदयचंद्रपुर का एक युवक उनकी दुकान पर पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा। दुकानदार द्वारा पैसा देने से मना करने पर युवक आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।हमले में मोहम्मद लाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

विद्यालयों की उपलब्धियों, शैक्षिक गतिविधियों की दी जानकारी

यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल की हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन आज किया गया। संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के शिक्षक बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके उपरांत 'मैं बेटी हूँ' गीत पर बालिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने सराहना की।

बैठक में आए सभी प्रतिभागियों का इंचार्ज प्रधानाध्यापक हीरालाल कुशवाहा ने स्वागत किया। बैठक के प्रमुख एजेंडा पर विस्तृत चर्चा वंदना श्रीवास्तव ने किया। इसके पश्चात् इंद्रभान सिंह, पूनम, कंचन, निहारिका, सुधा, संजीव जी एवं रमेश गुप्ता ने अपने - अपने विद्यालयों की प्रमुख उपलब्धियों एवं शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। बैठक में कम्पोजिट विद्यालय हनुमानगंज, प्राथमिक विद्यालय यरना, प्राथमिक विद्यालय बिकापुर, प्राथमिक विद्यालय जुनैदपुर, प्राथिक विद्यालय लोढ़ा तथा यूपीएस कन्या हनुमानगंज के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी से आई कार्यकर्त्री श्रीमती गमला सिंह ने भी अपनी कार्यशैली एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर संचालित गतिविधियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए विशेष शैक्षिक गतिविधियाँ संचालित की जाएँ, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। बैठक सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

आकाश प्रयागराज के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन में चमक दिखाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अरुणव वेदांत अग्रहरी 99.96 परसेंटाइल के साथ सबसे आगे; कई स्टूडेंट्स ने शानदार तैयारी दी लगभग परफेक्ट ओवरऑल परसेंटाइल के साथ शानदार तैयारी दी और फिजिक्स और मैथेमेटिक्स में बिना किसी गलती के 99 परसेंटाइल हासिल किया, जिससे प्रयागराज और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड को गर्व हुआ प्रयागराज, 17 फरवरी, 2026: प्रयागराज के आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर जेईई मेन 2026 (सेशन 1) में शानदार तैयारी दी है, जो इस इलाके की लगातार एकेडमिक एक्सीलेंस को दिखाता है। 16 फरवरी को जारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के एग्जाम के हिसाब से, प्रयागराज के आकाश इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन 2026 में शानदार तैयारी दी। अरुणव वेदांत अग्रहरी ने शानदार 99.96 परसेंटाइल के साथ ग्रुप में सबसे आगे रहे, उसके बाद आकर्ष माहेश्वरी ने 99.85 परसेंटाइल और अनुपम पाल ने 99.78 परसेंटाइल हासिल किया। उस्मान नूर ने 99.75 परसेंटाइल हासिल किया, जबकि आयुष ने 99.67 परसेंटाइल हासिल किया। आर्यन मिश्रा ने 99.55 परसेंटाइल और वेदांश राज श्रीवास्तव ने 99.45 परसेंटाइल हासिल किया। प्रत्यय मिश्रा ने 99.41 परसेंटाइल और अखंड प्रताप सिंह ने 99.37 परसेंटाइल हासिल किया। अमीषी मिश्रा ने

99.24 परसेंटाइल और तनुश वर्मा ने 99.05 परसेंटाइल हासिल किया। राजित सिंह ने 98.58 परसेंटाइल और अधीप श्रीवास्तव ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया, जो जेईई मेन 2026 में प्रयागराज सेंटर की शानदार ओवरऑल रैंकिंग को दिखाता है। स्टूडेंट्स की कामयाबी पर कमेंट करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक, धनंजय कुमार मिश्रा, ने कहा: 'प्रयागराज के हमारे स्टूडेंट्स के शानदार रिजल्ट्स एकेडमिक्स के प्रति उनकी मेहनत के साथ-साथ आकाश एजुकेशनल इकोसिस्टम की बढ़त का सबूत हैं। हमें उनकी कड़ी मेहनत पर बहुत गर्व है और हम उनकी कामयाबी के लिए उन्हें बधाई देते हैं। हम उनके आगे के कामों में लगातार कामयाबी की कामना करते हैं।' कई स्टूडेंट्स ने यह भी कहा कि सेल्फ-डिसिप्लिन, लगातार प्रैक्टिस, कड़ी ट्रेनिंग, समय पर मेंटरिंग और रेगुलर असेसमेंट से इनमें से कई स्टूडेंट्स को कामयाबी मिली। अपने स्ट्रक्चर्ड करिकुलम, एक क्वालिफाइड इंस्ट्रक्टर से गाइडेंस और रेगुलर सिम्युलेटेड टेस्ट देने के मौके से, उन्होंने अपनी पढ़ाई पर फोकस बनाए रखा, कमजोरियों को जल्दी ग्रेडिएंट्स, और अपनी मेहनत में लगातार सुधार किया। र्वैंग्हि, जिसमें साल में दो बार टेस्ट देने के मौके मिलते हैं, स्टूडेंट्स को अपने पिछले रिजल्ट को बेहतर बनाने का मौका देता है और यह वह तरीका है जिससे स्टूडेंट्स को सरकार द्वारा सपोर्टेड दूसरे इंस्टिट्यूट में एडमिशन मिल सकता है, साथ ही देने के लिए भी क्वालिफिकेशन किया जा सकता है, जो इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के बारे में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड भारत की लीडिंग टेस्ट तैयारी कंपनी है जो हाई-स्टेक्स मेडिकल और इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम और ओलंपियाड जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को पूरी और असरदार तैयारी सर्विस देने में माह है। पास पूरे भारत में 415 से ज़्यादा सेंटर का नेटवर्क है, जिसमें अभी 400, 000द से ज़्यादा स्टूडेंट्स एनरोल्ड हैं और इसने पिछले 37 सालों में एक मजबूत मार्केट पोज़िशन और ब्रांड वैल्यू बनाई है। यह स्टूडेंट्स की असली क्षमता को बाहर लाने और उनके एकेडमिक कामों में सफलता पाने के लिए सबसे अच्छी क्वालिटी की टेस्ट तैयारी सर्विस देने के लिए कमिटेड है। टेस्ट की तैयारी के लिए स्टूडेंट-सेंट्रिक तरीका अपनाता है, यह मानते हुए कि हर स्टूडेंट अलग होता ह।

स्टडीआईक्यू ने प्रयागराज में नया केंद्र शुरू किया, यूपीएससी तैयारी के बड़े केंद्र के रूप में शहर की पहचान और मजबूत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्टडीआईक्यू के इस बड़े और एकीकृत केंद्र के लॉन्च के साथ ही यह प्रयागराज में यूपीएससी के सबसे बड़े एकीकृत परिसरों में से एक बन गया है। ? वर्तमान में 700 से अधिक छात्र नामांकित हैं और अगले वर्ष 1, 100 से अधिक अतिरिक्त नामांकन का स्वागत करने की योजना है। ? लॉन्च के साथ ही, स्टडीआईक्यू ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के इच्छुक छात्रों के लिए 100ऽ छात्रवृत्ति की भी घोषणा की, जिनका चयन एक ऑफलाइन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। प्रयागराजः एडटेक लीडर और अड्डा एजुकेशन की सहायक कंपनी स्टडीआईक्यू, जो यूपीएससी, पीसीएस और न्यायपालिका परीक्षा पाठ्यक्रमों में कार्यरत है, ने सिविल सेवा तैयारी के क्षेत्र में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति को और मजबूत करते हुए प्रयागराज में अपने सबसे बड़े इंटीग्रेटेड यूपीएससी सेंटर की शुरुआत की है। यह कदम शहर को यूपीएससी और राज्य सेवा केंद्रों के लिए पसंदीदा केंद्र के रूप में उभरने को और व्यापक प्रदान करेगा। नए सेंटर का उद्घाटन स्टडीआईक्यू के सीईओ स्वप्निल त्रिपाठी ने छात्रों और सेंटर प्रबंधन के साथ किया, जिसके बाद क्षेत्रीय मीडिया के साथ बातचीत भी आयोजित की गई। उद्घाटन के

अवसर पर स्टडीआईक्यू (स्टडीआईक्यू) के सीईओ स्वप्निल त्रिपाठी ने कहा, 'प्रयागराज की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा रही है और यहाँ से कई नौकरियों के प्रशासक और लोकसेवक निकले हैं।

सिविल सेवा तैयारी के बदलते स्वरूप के साथ यह आवश्यक है कि इंटर्नशिप-2 और इंटर्नशिप-3 शहरों के छात्रों को सख्त शैक्षणिक प्रशिक्षण, मजबूत मार्गदर्शन और सही एक्सपोजर मिले, जिसकी वजह से वह बड़े शहरों में पलायन करने के लिए मजबूर हुए। इसके अलावा स्थानीय शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना आज समय की मांग हैं।' स्टडीआईक्यू (स्टडीआईक्यू) की मूल कंपनी अड्डा एजुकेशन (अड्डा एजुकेशन) के संस्थापक एवं सीईओ अनिल नागर ने कहा, 'कई वर्षों से कड़ी यूपीएससी की तैयारी कुछ चुनिंदा शहरों तक ही सीमित रही है, जिससे कई प्रतिभाशाली छात्रों की पहुँच बाधित होती है। हमारा ध्यान प्रयागराज जैसे शहरों में उच्च गुणवत्ता और परिणाम-समीक्षित शिक्षणवातावरण तैयार करने पर है, जहाँ पहले से ही प्रतिभा और आकांक्षा मौजूद है। यह विस्तार इस विश्वास को दर्शाता है कि अच्छी तैयारी तक पहुँच भूगोल पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।' 5, 000 वर्ग फुट में फैला नया परिसर, मेंटरशिप स्पेस, टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सहायता सुविधाओं को एक ही छत के नीचे लाता है।

इसे प्रयागराज के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के आसपास के क्षेत्रों से आने वाले प्रयागराज की पीढ़ियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। स्टडीआईक्यू(स्टडीआईक्यू) ने प्रयागराज में अपनी ऑफलाइन नामांकन वर्ष 2025 की शुरुआत में शुरू की थीं और वर्तमान में 700 से अधिक छात्र यहां नामांकित हैं। अगले एक वर्ष में 1, 100 से अधिक नए प्रयागराज को जोड़ने की योजना है। सेंटर को 14 अनुभवी फैकल्टी सदस्य और एक समर्पित अकादमिक व छात्र सहायता टीम का समर्थन प्राप्त है। टेक्नोलॉजी का उपयोग गुणवत्ता नियंत्रण और निजीकरण को मजबूत करने के लिए किया जाता है, जिसमें केंद्रीकृत शैक्षणिक निगरानी और ईंआधारित मूल्यांकन उपकरण शामिल हैं, जो छात्रों को उत्तर लेखन पर विस्तृत लाभान्वित और कस्टम फिक्स्ड स्टडी प्लान प्रदान करते हैं।

कांग्रेस विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बने अविनाश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर संगठन की मजबूती पर जोर देने पर जुटी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की लखनऊ में चल रही मैराथन बैठकों के बीच हाइकोर्ट के अधिवक्ता अविनाश कुमार वर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। उनके मनोनयन की खबर मिलते ही प्रदेश भर से बधाइयों का तांता लग गया।

पार्टी नेतृत्व द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि अविनाश कुमार वर्मा पूर्व में प्रांतीय संयोजक, मण्डल अध्यक्ष, जिला एवं शहर, प्रदेश उपाध्यक्ष एनएसयूआई, शहर उपाध्यक्ष आदि पदों रहे।

अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से विधि विभाग को नई मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में विभाग कानूनी मामलों में पार्टी का प्रभावी पक्ष मजबूती से रखेगा।

अविनाश कुमार वर्मा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में विधि विभाग नई ऊंचाइयों को छुएगा।

एससीईआरटी के डायरेक्ट ने डायट, एसआईई का किया निरीक्षण, दिया जरूरी निर्देश

प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय केंद्रित शोध आधारित बनाने पर दें जोर : गणेश कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज (डायट) तथा राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज का औपचारिक निरीक्षण राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निदेशक गणेश कुमार, प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के निर्देशन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे । निरीक्षण का उद्देश्य संस्थानों में संचालित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता का आकलन करना तथा सेण्टर आफ एक्सीलेंस के अंतर्गत विकसित अवसंरचनात्मक एवं शैक्षणिक संसाधनों का अवलोकन करना था।

इस दौरान निर्मित भवनों, प्रशिक्षण कक्षों, आवासीय व्यवस्थाओं, शैक्षिक संसाधनों एवं प्रशिक्षण वातावरण का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निदेशक गणेश कुमार ने शैक्षिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत सभी प्रवक्ताओं द्वारा संपादित कार्यों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, पाठ्य सामग्री निर्माण, नवाचारात्मक प्रयोगों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय- केंद्रित एवं शोध-आधारित बनाने पर बल दिया। कला शिक्षा के अंतर्गत सृजनात्मक गतिविधियों, स्थानीय सांस्कृतिक तत्वों के समावेशन तथा कार्यानुभव आधारित शिक्षण की सराहना की गई। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के समग्र विकास, स्वास्थ्य चेतना, योग एवं खेलगत, गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया गया।

निरीक्षण के दौरान निदेशक गणेश कुमार ने सभी प्रवक्ताओं एवं शैक्षिक कार्मिकों को टीमवर्क की भावना

से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक विषय के अनुसार जनपद स्तर पर विषय - विशेष समूह गठित करने पर जोर दिया, ताकि शिक्षकों के मध्य सतत संवाद, शैक्षणिक नवाचारों का आदान-प्रदान तथा समस्याओं का सामूहिक समाधान संभव हो सके और शिक्षण व्यवस्था अधिक गुणात्मक बन सके। निदेशक ने जनपद स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रशिक्षुओं के अधिगम स्तर की भी सराहना की। उन्होंने अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिका का अवलोकन करते हुए उनकी लेखन शैली, विषय की समझ एवं गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा की तथा इसे प्रभावी प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम बताया। प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने निदेशक द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही तथा सभी प्रवक्ताओं से सक्रिय सहभागिता के साथ विषयवार समूह गठन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहे और उन्होंने निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की ।निरीक्षण कार्यक्रम संस्थान की शैक्षणिक प्रगति, प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

पानी की टंकी के निर्माण में देरी, नगर निगम के सामने नागरिकों का धरना प्रदर्शन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी नगर निगम क्षेत्र के कोटर गेट परिसर स्थित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद मैदान (पार्क) में बनाई जा रही पानी की टंकी के निर्माण में हो रहे विलंब के खिलाफ स्थानीय नागरिकों ने आवाज़ उठाई है। मंगलवार को जावेद अंसारी उर्फ जावेद किरण के नेतृत्व में नागरिकों ने नगर निगम मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया और प्रशासन से जवाब मांगा।

बता दे कि कोटर गेट, मंगल बाजार स्लैब और जैतूनपुरा जैसे इलाकों में पिछले कई वर्षों से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम प्रशासन ने पानी की टंकी बनाने की मंजूरी दी थी। लेकिन काम शुरू होने के कुछ महीनों बाद ही ठेकेदार ने अचानक काम रोक दिया, जिससे निवासियों में फिर से चिंता और रोष का माहौल है। जावेद अंसारी ने आरोप लगाया कि नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना एक मूलभूत नागरिक सेवा है। स्वास्थ्य, स्वच्छता और सार्वजनिक कल्याण के लिए निवासियों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना नगर निगम का वैधानिक कर्तव्य है।

लगातार पानी की कमी के कारण यहां के नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। जावेद अंसारी ने मांग की है कि टंकी का निर्माण कार्य तुरंत फिर से शुरू किया जाए और क्षेत्र के नागरिकों को न्याय दिया जाए।

भिवंडी मनपा में कर विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

100% ब्याज माफी योजना को लेकर सख्त निर्देश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में कर वसूली बढ़ाने के उद्देश्य से कर विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। महानगरपालिका द्वारा नवंबर 2025 में लागू की गई अभय योजना को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब फरवरी 2026 से पुनः 100 प्रतिशत ब्याज माफी देने का निर्णय लिया गया है। महानगरपालिका प्रशासन के अनुसार नवंबर 2025 में शुरू की गई अभय योजना के तहत नवंबर महीने में 100 प्रतिशत, दिसंबर 2025 में 75 प्रतिशत तथा शेष अवधि के लिए 50 प्रतिशत ब्याज में छूट दी गई थी। इस योजना को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिलने के कारण प्रशासन ने बकाया कर वसूली तेज करने के लिए फिर से पूर्ण ब्याज माफी लागू करने का फैसला किया है। प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (आईएएस) के निर्देशानुसार अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षिरसागर के साथ 13 फरवरी 2026 को कर विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कुल कर

मांग, वसूल की गई राशि तथा शेष बकाया का विस्तृत आकलन किया गया। अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 100 प्रतिशत ब्याज माफी योजना की जानकारी अधिक से अधिक बकायादारों तक पहुंचाई जाए और वसूली को लक्ष्य बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब प्रत्येक 15 दिन में वसूली की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में कम वसूली प्रतिशत वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इस बैठक में कर मूल्यांकन विभाग के प्रमुख सुधीर गुरव सहित सभी प्रभागों के कर निरीक्षक और कर वसूली लिपिक उपस्थित रहे।

भिवंडी में क्रांतिगुरु लहुजी वस्ताद सालवे को श्रद्धांजलि, युवाओं ने लिया प्रेरणा का संदेश

भिवंडी। अण्णाभाऊ साठे नगर, नारपोली क्षेत्र में क्रांतिगुरु लहुजी वस्ताद सालवे की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जय लहुजी मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों और युवाओं ने भाग लेकर उनके सामाजिक कार्यों को याद किया और उनसे प्रेरणा लेने का संकल्प लिया,कार्यक्रम 17 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे अण्णाभाऊ साठे नगर, नारपोली, भिवंडी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्रांतिगुरु की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर की गई। उपस्थित मान्यवरों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाजजागरण, शौर्य और समानता के लिए उनके योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि लहुजी वस्ताद सालवे ने समाज के वंचित वर्गों को संगठित कर सामाजिक न्याय और समानता का मजबूत संदेश दिया था। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए मार्गदर्शक साबित होते हैं। श्रद्धांजलि सभा में पत्रकार अशोक पाटोले, आनंद सोलसे, युवा कार्यकर्ता संतोष रसाल, आत्माराम पाटोले, विशाल जोगदंड, पियूष पाटोले, नितीन ननवरे, गणेश मसके, जनार्दन हजारे और पप्पू मोरे सहित क्षेत्र के अनेक नागरिक उपस्थित रहे। पत्रकार अशोक पाटोले ने कहा कि क्रांतिगुरु के विचारों को आगे बढ़ाना ही उनको प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम शांत, उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, समानता, जागरूकता और समाजसेवा का संकल्प लेते हुए सभा का समापन किया।

भिवंडी में निजी डॉक्टरों के लिए क्षयरोग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी मनपा के क्षयरोग विभाग द्वारा आज निजी चिकित्सा व्यवसायियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वयंसेवी संस्था 'डॉक्टर फॉर यू' के सहयोग से संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने की। कार्यशाला में विशेषज्ञों की एक टीम ने टीबी उन्मूलन की दिशा में डॉ. बुशरा सय्यद (शहर क्षयरोग अधिकारी), डॉ. वर्षा बारोड (आर सी एच अधिकारी),डॉ. ज्योति साळवे (डब्लू एच ओ कंसल्टेंट), डॉ. विक्रम जैन (छाती रोग विशेषज्ञ) ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निजी डॉक्टरों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान बताया गया कि निजी क्लीनिकों में आने वाले मरीजों की सरकारी रिकॉर्ड में पंजीकरण की अनिवार्यता है। मरीजों को पोषण सहायता प्रदान करने वाली योजना की जानकारी भी दी गई।साथ ही गंभीर टीबी के मामलों की पहचान और मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच। संदिग्ध मरीजों की जल्द पहचान और उपचार करना जरूरी है।इस अवसर पर आईजीएम अस्पताल के छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. मो. अली धुरु सहित शहर के बड़ी संख्या में निजी डॉक्टर उपस्थित रहे। साथ ही संस्था के सभी सुपरवाइजर और कर्मचारी वर्ग ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' के संकल्प के साथ इस कार्यशाला का समापन हुआ।

'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी शताब्दी के मौके जनजागरूकता कार्यक्रम

मंत्र भारत। भाईंदर

'हिंद दी चादर' के नाम से मशहूर गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी शताब्दी के मौके पर मीरा-भायंदर मनपा की तरफ से लोगों तक त्याग, बलिदान और भक्ति का प्रेरणा देने वाला संदेश पहुंचाने के मकसद से अलग-अलग सोशल, एजुकेशनल और पब्लिक अवेयरनेस एक्टिविटीज़ की जा रही हैं। इसी पहल के तहत, मनपा कार्यक्षेत मे मनपा शाला और प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंट्स के लिए एक रंगोली कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इस कॉम्पिटिशन के ज़रिए स्टूडेंट्स को गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन के कामों के बारे में बताकर और उनके बलिदान की याद को बनाए रखने की कोशिश की गई। स्टूडेंट्स ने अलग-अलग कलात्मक रंगोलियों के ज़रिए अपना संदेश असरदार तरीके से पहुंचाया। साथ ही, लोगों में बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के मकसद से, मशहूर सिंगर सतिंदर सरताज का गाया प्रेरणा देने वाला गाना 'हिंद-दी-चादर' म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया के मैक्सस सिनेमा और मूवी मैक्स सिनेमा हॉल के साथ-साथ म्युनिसिपल हेडक्वार्टर और वार्ड ऑफिस में थ्री-स्क्रीन पर दिखाया गया है। इसके ज़रिए आम लोगों तक शहादत का संदेश अच्छे से पहुंचाया जा रहा है।

इसी सिलसिले में, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से भायंदर (वेस्ट) के गीता नगर इलाके में एक खास हेल्थ कैंप लगाया गया। इस कैंप को लोगों से तुरंत रिस्पॉन्स मिला और 400 से ज़्यादा लोगों ने अलग-अलग हेल्थ चेक-अप और कंसल्टेशन सर्विस का फायदा उठाया। शताब्दी साल के मौके पर, शहर में खास जगहों पर जागरूकता फैलाने के लिए होर्डिंग्स लगाए गए हैं और गुरु तेग बहादुर साहिबजी की कुर्बानी के बारे में जानकारी और मैसेज बड़े पैमाने पर फैलाया जा रहा है। म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन सामाजिक एकता, धार्मिक सहनशीलता और इंसानियत के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कमिटेड है, और इस शताब्दी साल के मौके पर की जा रही एक्टिविटीज़ के ज़रिए समाज में एक प्रेरणा देने वाला माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है।

दहेज के लिए पत्नी का जबरन गर्भपात; पति गिरफ्तार, ससुराल वालों पर मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहाँ एक 36 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया और ससुराल वालों के उकसावे पर उसका जबरन गर्भपात करवा दिया। पीड़िता की शिकायत के बाद शहर पुलिस ने पति समेत सास और ननद के खिलाफ मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी प्रदीप उर्फ संघपाल मस्के (36) ने पीड़िता से पहले जान-पहचान बढ़ाई और फिर प्रेम संबंधों के बाद उससे शादी की। शादी के बाद 4 अप्रैल 2023 से 15 फरवरी 2026 के बीच आरोपी ने पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान पीड़िता दो बार गर्भवती हुई।

पीड़िता का आरोप है कि जब वह गर्भवती थी, तब उसके पति, सास लता और ननद कविता ने आपस में मिलीभगत की। उन्होंने 'हमें बच्चा नहीं चाहिए और तुम भी नहीं चाहिए' कहकर पीड़िता को गालियां दीं और अस्पताल ले जाकर जबरदस्ती उसका गर्भपात करवा दिया। इतना ही नहीं, जब पीड़िता की तबीयत खराब थी, तब आरोपी पति उसे अकेले बस में बैठाकर उसके मायके (गोंदिया) छोड़कर फरार हो गया।

पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में अपनी आपबीती सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया और 16 फरवरी को आरोपी पति प्रदीप मस्के को गिरफ्तार कर लिया।

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे चलाएगी उधना-रक्सौल स्पेशल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

त्योहारी मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा 8 मार्च, 2026 को उधना और रक्सौल के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 05560 उधना - रक्सौल स्पेशल 8 मार्च, 2026 को उधना स्टेशन से 15.35 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 00.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी। रक्सौल से ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल - उधना स्पेशल 7 मार्च, 2026 को 05.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 12.35 बजे उधना पहुंचेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सेकंड क्लास जनरल कोच होंगे।

यह ट्रेन भरुच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, सिहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज, बगहा, नरकटियागंज और सिकता स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 05560 की बुकिंग 18.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

यूपी के व्यंजनों को नई उड़ान, योगी सरकार के सहयोग से लोकल बनेगा ग्लोबल

'एक जनपद एक व्यंजन' के लिए बजट में रखा 75 करोड़ रुपये का प्रावधान

वाराणसी **(एजेंसी)**। काशी सदियों से केवल आध्यात्मिक नगरी ही नहीं बल्कि स्वाद की राजधानी भी रही है। यहां की गलियों से उठती सुबह-सुबह छनती कचौड़ियों की खुशबू, पान की गिलौरियों में घुला अपनापन और ठंडाई काशी की आत्मा का हिस्सा हैं। अब यही पारंपरिक स्वाद लोकल से ग्लोबल होने की ओर कदम बढ़ा रहा है। योगी सरकार इसके लिए 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना लेकर आ रही है।

सरकार ने बजट में इसके लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। इसके तहत पारंपरिक व्यंजनों की ब्रांडिंग, आधुनिक टेक्नोलॉजी, आकर्षक पैकेजिंग और प्रभावी मार्केटिंग के लिए विक्रेताओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना में गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सभी उत्पादों को खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया जाएगा ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला स्वाद मिल सके।

काशी के जिन व्यंजनों ने वर्षों से लोगों के दिलों पर राज किया है, अब वे स्वाद वैश्विक होने की तैयारी में हैं। योगी

सरकार ने यूपी के खानपान के लिए खजाना खोल दिया है। तिरंगा बर्फी के अलावा हींग की कचौड़ी, बनारसी पान, लौंगलता और ठंडाई का स्वाद यूपी दिवस पर लखनऊ में लगे स्टाल पर लोगों ने चखा था। इनमें से कुछ अपने इतिहास, कुछ परंपरा और कुछ स्वाद को लेकर ओडीओसी में अपनी मज़बूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। सरकार जल्दी ही इनकी दावेदारियों में से उपयुक्त व्यंजन पर मोहर लगाकर ओडीओसी में शामिल करेगी।

योगी सरकार 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना के माध्यम से प्रदेश की विशिष्ट पाक परंपराओं को नई पहचान देने जा रही है, जो केवल आर्थिक योजना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रयास भी है। काशी की रसोई में पीढ़ियों से सहेजे गए स्वाद अब विश्व के व्यंजनों के मानचित्र पर अपनी जगह बनाने को तत्पर हैं। जब बनारस की गलियों से उठती खुशबू विदेशों तक पहुंचेगी, तो यह केवल व्यापार नहीं होगा बल्कि यह भारत की समृद्ध पाक विरासत का वैश्विक उत्सव होगा। काशी का स्वाद अब सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

होली के आगामी त्योहारी मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के बीच चल रही विशेष ट्रेनों के फेरों को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :

1.ट्रेन संख्या 09065 सूरत - छपरा स्पेशल को 30 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09465 अहमदाबाद - दरभंगा स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद - पटना स्पेशल को 25 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09065, 09465 तथा 09447 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 18.02.2026 से सभी पीआरएस

काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

श्रीजेश ने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच पद के लिए दोबारा किया आवेदन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले साल दिसंबर में समाप्त होने के बाद इस पद के लिए दोबारा आवेदन किया है। इस नियुक्ति पर अगले पखवाड़े में फैसला होने की संभावना है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में भारत ने बीते दिसंबर में चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर नौ साल बाद इस प्रतियोगिता में पोडियम स्थान हासिल किया था। श्रीजेश ने कहा, 'हां, विश्व कप के बाद 21 दिसंबर को मेरा अनुबंध खत्म हो गया था और उसके बाद मैं केरल स्थित अपने गृहनगर में हूं। विज्ञापन आने पर मैंने दोबारा आवेदन किया। मुझे पता है कि छह-सात अन्य उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया है। अब देखते हैं क्या होता है।'

उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव पर कहा, 'यह सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। उतार-

चढ़ाव रहे, लेकिन विश्व कप का कांस्य पदक खास रहा। हमारा लक्ष्य हालांकि स्वर्ण था। संन्यास के बाद मेरा मकसद खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता है।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी।'

भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की, जहां टीम को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ लगातार चार हार झेलनी पड़ी। इसमें अर्जेंटीना के खिलाफ 0-8 की करारी शिकस्त सबसे निराशाजनक परिणाम रहा था। सिंह ने कहा कि आगामी सत्र काफी व्यस्त है और इसमें एशियाई खेल और विश्व कप शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को देखते हुए चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26 : हॉबार्ट लेग के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हॉकी इंडिया ने एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025-26 के हॉबार्ट लेग के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के हॉबार्ट स्थित तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे। इस चरण में भारत के साथ स्पेन और मेज़बान ऑस्ट्रेलिया भी हिस्सा लेंगे।

राउरकेला लेग में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबलों के बाद अब भारतीय टीम हॉबार्ट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। टीम में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन संतुलन देखने को मिल रहा है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। राउरकेला लेग में सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने वाले अमनदीप लकड़ा और मनमीत सिंह को भी टीम में शामिल किया गया है।

गोलकीपर के रूप में सूरज करकेरा और मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार जिम्मेदारी संभालेंगे। डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित अनुभव प्रदान करेंगे। इनके साथ अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच और पूवन्ना चंदूरा बोबी जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

दुबई पैरा एथलेटिक्स 2026 : भारत का परच, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई **(एजेंसी)**। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए। कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था। भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ 64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ 41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

परंपरा और करुणा का संगम! दिशा पाटनी और पेटा इंडिया ने केरल के मंदिर को भेंट किया 'रोबोटिक हाथी'

केरल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को आधुनिक और मानवीय स्पर्श देते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी और पेटा इंडिया ने एक सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने त्रिशूर के थोडथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली मंदिर को एक वास्तविक आकार का यांत्रिक (मैकेनिकल) हाथी भेंट किया है, जिसका शनिवार को भव्य समारोह में अनावरण किया गया।

पेटा इंडिया ने एक बयान में कहा कि तीन मीटर ऊंचे और 500 किलोग्राम वजनी यांत्रिक हाथी को मंदिर को दान में दिया गया था, क्योंकि मंदिर ने कभी भी जीवित हाथियों को रखने या किराए पर

लेने का निर्णय नहीं किया था। यह पेटा इंडिया द्वारा भारत के मंदिरों को दान किया गया यह 20वां रोबोटिक हाथी है और केरल में दिया गया 11 वां है। बयान में आगे कहा गया है कि यांत्रिक हाथी का उद्घाटन समारोह और पंचवाद्यम प्रदर्शन के साथ स्वागत किया गया। यह रबर, फाइबर, धातु, जाली, फोम और स्टील से बना सातवां ऐसा हाथी है, जो पांच मोटरों द्वारा संचालित है और त्रिशूर के एक मंदिर को दान किया गया है। पाटनी ने बयान में कहा, मुझे बहुत खुशी है कि यांत्रिक हाथी थोडाथरा कलापट्टू देवी दासन का इस्तेमाल अब थोडाथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली क्षेत्रम में अनुष्ठानों और समारोहों के लिए किया जाएगा, ताकि परंपराएं अनुग्रह और करुणा के साथ जारी रह सकें।

कैपामंगलम विधानसभा क्षेत्र से भाकपा विधायक ई टी टायसन मास्टर ने इसकास्वागत करते हुए कहा कि यांत्रिक हाथी का चयन एक प्रगतिशील कदम है जो जानवरों और जनता दोनों की रक्षा करता है। उन्होंने अपने बयान में कहा, थोडथरा कलापट्टू श्री भद्रकाली क्षेत्रम ने केरल के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह दयालु निर्णय हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करते हुए सुरक्षित समारोहों को सुनिश्चित करता है। पेटा ने कहा कि यांत्रिक हाथी दिखने में, महसूस करने में और काम करने में असली हाथी जैसा होता है।

मध्य रेल

ई – निविदा नोटिस

अ.क्र: 1. **कार्य का विवरण:** KWV/WS की विभिन्न के शॉप फ्लोर में नामित स्थानो/डिब्बों से स्क्रैप का पृथक्करण, संग्रहण, लदान और परिवहन और KWV/WS में नामित स्थान/स्टोर डिपो पर उतारना और स्टोर डिपो से सामग्री का संग्रहण और कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप कुर्दुवाड़ी में विभिन्न दुकानों में वितरण, सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप कुर्दुवाडी में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एलओए जारी होने की तिथि से 02 वर्ष (24 महीने) की अवधि के लिए। **अनुमानित लागत:** ₹61,99,261.44/– **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** कुछ नहीं **ई एम डी:** ₹124000/– **समापन अवधि:** 24 महीने निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं अवधि दि.09.03.2026 को 15.00 बजे तक है। ई निविदा की विस्तृत जानकारी **रेल की आधिकारिक वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in** खुली निविदा संख्या: :–**KWV-PO-SCRAP-R** तिथी–**28.01.2026** 913

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

आरसीसी गर्डर/बॉक्स को पीएससी स्लैब से बदलना

ई-निविदा सूचना संख्या: DYCE-BR-BRC-22-2025-26; भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन), वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390004 निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: **क्र. सं. (1) निविदा संख्या: DYCE-BR-BRC-22-2025-26. कार्य का नाम:** रतलाम मंडल के 231 यूपी केटीटी (6X6.10एम), 233 यूपी केटीटी (5X6.10एम), 244 यूपी (3X3.35एम), 292 यूपी (5X4.57एम) और 287 यूपी (1X6.00एम) के 12.2 मीटर तक पीएससी स्लैब द्वारा मौजूदा आरसीसी गर्डर/बॉक्स को प्रतिस्थापित किया जाएगा। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 4,04,77,920.32 **बोली सुरक्षा जमा कराना:** ₹ 3,52,400.00 **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदाएं दि. **12.03.2026** को 15.00 बजे से पहले जमा कराना है और उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in** उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन) वडोदरा पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 BRC-359

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - निर्माण संगठन - मुंबई

सेक्टर विशेषज्ञों का सूचीकरण

पश्चिम रेलवे, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदनों (डीपीआर) की पीयर रिव्यू करने हेतु सेक्टर विशेषज्ञों के रूप में सूचीकरण के लिए भारतीय रेल सेवा अभियंत्रण (आईआरएसई) के सेवानिवृत्त अधिकारियों (एसएजी या उससे उच्च स्तर से सेवानिवृत्त) से आवेदन आमंत्रित करता है।

- आवेदकों के पास सिविल इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक की डिग्री होनी चाहिए, आयु 75 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा एसएजी स्तर या उससे उच्च स्तर पर परियोजना क्रियान्वयन/योजना में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है।
- पूर्ण विवरण, पात्रता मानदंड तथा आवेदन प्रपत्र के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट देखें: https://wr.indianrailways.gov.in > समाचार, अपडेट एवं भर्ती > भर्ती > डीपीआर की पीयर रिव्यू हेतु सेक्टर विशेषज्ञों के सूचीकरण की सूचना
- आवेदन कैसे करें: इच्छुक एवं पात्र अधिकारी निर्धारित प्रारूप में हस्ताक्षरित आवेदन एवं जीवनवृत्त (सीवी) ईमेल द्वारा caomumbai@gmail.com पर भेजें अथवा निम्न पते पर प्रेषित करें;
- पता: सीएओ(सी) कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रथम तल, स्टेशन भवन, चर्चगेट, मुंबई - 400020
- अंतिम तिथि: 02.03.2026 (16:00 बजे तक)।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in 1129

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा. बां.) विभाग,
प्रशासकीय इमारत, 1 ला मजला, भवन्स कॉलेज जवळ, दादाभाई रोड, अंधेरी (प.), मुंबई- 400058.
E-mail-northmumbai.ee@mahapwd.com दुरध्वनी क्रमांक 022-26231964 फॅक्स - 26205788

निविदा सुचना क्र. 58 सन 2025-2026

महाराष्ट्र राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, दादाभाई मार्ग, भवन्स कॉलेज जवळ अंधेरी (प) मुंबई-४०००५८ (दुरध्वनी/फॅक्स क्रमांक- २६२३१९६४/२६२०५७८८) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिका बांधकाम खात्याकडुन योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडुन खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्र दिनांक- १७/०२/२०२६ ते दिनांक- २४/०२/२०२६ कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयात उपलब्ध असतील. तसेच दिनांक २५/०२/२०२६ दुपारी १७.०० वाजेपर्यत निविदा स्विकारण्यात येतील व शक्य झाल्यास त्याच दीवशी निविदा उघडण्यात येतील निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां.) विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित रक्कम
१.	वार्षीक दुरुस्ती अंतर्गत घाटकोपर (प.) मुंबई येथील गुलिस्तान कंपाऊंडमधील इमारत क्र. बी, सी, डी, ई व एफ करीता संबंधित कामे करणे.	रु. ७६०९५८/-
२.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत जुहू पोलीस स्टेशन, अंधेरी (प), मुंबई येथे ड्रेनेज लाईनची दुरुस्ती करणे.	रु. ७९९९४९/-
३.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत सांताक्रुझ पोलीस स्टेशन जवळ लॉकअप सांताक्रुझ (प), मुंबई येथे ड्रेनेज लाईनची दुरुस्ती करणे.	रु. ८४२७१८/-
४.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत जोगेश्वरी शाखेतील असणाऱ्या ॲनेक्स इमारत, जोगेश्वरी (पुर्व), मुंबई या अनिवासी इमारतीमध्ये अंतर्गत गिलावा व रंगकाम इ. स्थापत्य कामे करणे.	रु. ८४३४८९/-
५.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत जोगेश्वरी शाखेतील अंतर्गत असणाऱ्या अंधेरी पोलीस स्टेशन, अंधेरी (पूर्व), मुंबई या अनिवासी तळमजल्याचे प्लास्टर व रंगकाम इ. स्थापत्य कामे करणे.	रु. ४२४३६७/-
६.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत पोलीस प्रशिक्षण केंद्र मरोळ येथील इंद्रप्रस्थ इमारतीमधील अ, ब, क विंग (तळ मजला व तिसरा मजला) मध्ये फरशी व प्रसाधनगृहाची दुरुस्ती व रंगकाम करणे.	रु. ५८४७१६/-
७.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत पोलीस प्रशिक्षण केंद्र मरोळ येथील इंद्रायणी व इंद्रप्रस्थ इमारती मधील अ, ब, क विंग (पहिला मजला व दुसरा मजला) मध्ये फरशी व प्रसाधनगृहाची दुरुस्ती व रंगकाम करणे.	रु. ५८४४६९/-
८.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१७० ते ब-१७९, ब-९८ ते ब-१०९ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ८३२४४४/-
९.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-११० ते ब-१२१ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ४१७२७१/-
१०.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१२२ ते ब-१३३, ब-४४ ते ब-५५ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ८३११८७/-
११.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१ ते ब-१० ब-११ ते ब-१३,ब-३४ ते ब-४३ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ८३०३११/-
१२.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-१४ ते ब-२३ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ४१२४६४/-
१३.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र अ-१ ते अ-१२ अ-१३ ते अ-१५ अ-१७ ते अ-२१ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ३९४६३७/-
१४.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र य-१ ते य-२, य-३ ते य-४, य-५ ते य-६, मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ६८६३५९/-
१५.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र य-७ ते य-८, य-९ ते य-१०, य-११ ते य-१२, मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ७०६७१८/-
१६.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-८८ ते ब-९७ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ४१२६४३/-
१७.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-२०२ ते ब-२११ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ४१६८५०/-
१८.	शासकिय वसाहत वांद्रे पुर्व येथील इमारत क्र ब-२१२ ते ब-२२१, ब-१८० ते ब-१९१ मधील वार्षिक देखभाल दुरूस्ती करणे	रु. ८३००८०/-
१९.	वांद्रे पूर्व येथील न्यायसहाय्यक वैज्ञानिक प्रयोगशाळा इमारतीमधील दालनामध्ये गिलावा, रंगकाम व इतर अनुषंगिक स्थापत्य कामे करणे.	रु. ८४०१२०/-
२०.	वांद्रे पूर्व येथील न्यायसहाय्यक वैज्ञानिक प्रयोगशाळा इमारतीमधील तळमजला व इतर मजल्यावरील भागात गिलावा, रंगकाम व इतर अनुषंगिक कामे करणे.	रु. ७५८२५०/-
२१.	मुळगौण कामा अंतर्गत अन्न व औषध प्रशासन, बांद्रा कुर्ला संकुल, बांद्रे (पुर्व) मुंबई येथील चौथ्या मजल्यावरील आवाराचे नुतनीकरण व बळकटीकरणाचे काम करणे बाबत	रु. ८३८७५८/-
२२.	मुळ गौणकांमातर्गत ४०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.क-०१ रुम नं.१, क-०५ रुम नं.१४८ व १३९ मधील शोच्यालय व प्रसाधनगहातील दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती व फरशीची, गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ७६९३४०/-
२३.	मुळ गौणकांमातर्गत ४०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ब-०२ रुम नं. २७, ब-०४ रुम नं.३५ व ४३ मधील शोच्यालय व प्रसाधनगहातील दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती व फरशीची, गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ७७५२६६/-
२४.	मुळ गौणकांमातर्गत ४०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ब-०३ रुम नं.५१, ६२ व ६४ मधील शोच्यालय व प्रसाधनगहातील दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती व फरशीची, गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ७६३५०२/-
२५.	मुळ गौणकांमातर्गत ४०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. अ-०४ रुम नं.५५ व ६३, ब-०५ रुम नं. ४ मधील शोच्यालय व प्रसाधनगृहातील दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती व फरशीची, गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ७६७९७१/-
२६.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ड-६ रुम नं. १२,१३ व २०, मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८२३३००/-
२७.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ड-५ रुम नं. ४,११ व १९, मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८२२८२८/-
२८.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ई-१६ रुम नं. ६ व ७, ई-१२ रुम नं. ५ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४२०९२/-
२९.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ई-१७ रुम नं.५, ०८ व १० मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगृहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४०४६५/-
३०.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ई-१३ रुम नं. २.५ व ६ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४३०९७/-
३१.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ई९ रुम नं. १०, १७ व १८ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४३१४०/-
३२.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र. ई- ८ रुम नं.२.९ व १२ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगृहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४३३०३/-
३३.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ई-२ रुम नं.०३,०६ व ०७ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८४१४९६/-
३४.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ई-१ रुम नं.१५, ई-६ रुम नं. १२ व ई-१० रुम नं.०४ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे,	रु. ८४००७४/-
३५.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ड- ८ रुम नं.०४ व १४, ड-९ रुम नं.१५ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८२६१०३/-
३६.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ड-३ रुम नं.०४,६, व १६ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८३०१७६/-
३७.	मुळ गौणकांमातर्गत ६०० पोलीस निवासस्थाने मरोळ अंधेरी पूर्व मुंबई येथील इमारत क्र.ड-१ रुम नं.७, ड-१२ रुम नं.१४ व १८ मधील फरशांची व शोच्यालय व प्रसाधनगहाच्या दरवाजे खिडक्यांची दुरुस्ती गिलावा व रंगकाम करणे.	रु. ८३२५३८/-
३८.	बांद्रा (पूर्व), मुंबई येथील प्रशासकीय इमारतीच्या भूतलावरील ध्वज परिसर व इमारतीच्या परिसराचे सुशोभीकरण व पुष्पलागवडचे काम करणे.	रु. ४२१४२५/-
३९.	बांद्रा (पूर्व), मुंबई येथील प्रशासकीय इमारतीच्या भूतलावरील ध्वज परिसराची स्वच्छता, प्लास्टर व रंगकाम तसेच विविध दुरुस्तीची कामे करणे व कार्पेट पुरवठा करणे.	रु. ६७४५७३/-
४०.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत मुंबई, बांद्रा (पू.) अर्बन हेल्थ सेंटर, नवीन इमारतीच्या ग्राउंड ते पहिला मजला अंतर्गत पलस्तर व रंगकाम दुरुस्ती व नूतनीकरणाचे काम करणे.	रु. ८४३१८०/-
४१.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत मुंबई, बांद्रा (पू.) अर्बन हेल्थ सेंटर, नवीन इमारतीच्या दुसरा ते तिसरा मजला अंतर्गत पलस्तर व रंगकाम दुरुस्ती व नूतनीकरणाचे काम करणे.	रु. ८४२२२०/-
४२.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत मुंबई, बांद्रा (पू.) अर्बन हेल्थ सेंटर, जुन्या इमारतीच्या ग्राउंड ते पहिला मजला अंतर्गत पलस्तर व रंगकाम दुरुस्ती व नूतनीकरणाचे काम करणे.	रु. ८४०१२०/-
४३.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत मुंबई, बांद्रा (पू.) प्रशासकीय इमारतीच्या ग्राउंड ते पाचवा मजला अंतर्गत पलस्तर व रंगकाम दुरुस्ती व नूतनीकरणाचे काम करणे.	रु. ८३८१२०/-
४४.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत मुंबई, बांद्रा (पू.) प्रशासकीय इमारतीच्या ६ वा ते १० वा मजला अंतर्गत पलस्तर व रंगकाम दुरुस्ती व नूतनीकरणाचे काम करणे,	रु. ८३९१६०/-
४५.	तीन डोंगरी पोलिस वसाहत येथील पाण्याच्या वाहिन्यांची दुरुस्ती व इतर अनुषांगिक स्थापत्त्य कामे करणे,	रु. ८४१८०३/-
४६.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डोंगरी पोलिस वसाहतीतील तळमजल्यावरील दरवाजे व खिडक्यांची दुरुस्ती करणे.	रु. ८२९१३८/-
४७.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डोंगरी पोलिस वसाहतीतील दुसऱ्या मजल्यावरील दरवाजे व खिडक्याची दुरुस्ती करणे.	रु. ८३४६३२/-
४८.	मुळगौण कामांतर्गत इमारत डी मधील सदनिकेची दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	रु. ६६७३३५/-
४९.	मुंबई मुलुंड (पू.) येथील आय. टी. आय. मुलुंडच्या सीओई इमारतीतील जी. आय. केबिन रूमच्या नूतनीकरणाचे काम	रु. ८१७६१०/-
५०.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत अंधेरी (पू), मुंबई येथील इमारतीच्या रुग्णालयाच्या परिसरातील बोअरिंगची कामे करणे.	रु. ६२१००३/-
५१.	मुळगाँण कामांतर्गत चुनाभट्टी, मुंबई येथील देवरत्न नगर येथील १८५ पोलीस वसाहतीतील कल्पतरू इमारतीतील खोली क्र. ७०१ व ७०३ करीता फरशीकरण, दरवाजे, खिडक्या व स्वयंपाकघर प्लॅटफॉर्मच्या नूतनीकरणाचे कामे करणे.	रु. ८४३३४९/-
५२.	मुळगाँण कामांतर्गत चुनाभट्टी, मुंबई येथील देवात्न नगर येथील १८५ पोलीस वसाहतीतील कल्पतरू इमारतीतील खोली क्र. ७० व ७०३ करीता फरशीकरण, दरवाजे, खिडक्या व स्वयंपाकघर प्लॅटफॉर्मच्या नूतनीकरणाचे कामे करणे.	रु. ८४०२९९/-
५३.	मुळगौण कामातंर्गत अंधेरी (पूर्व), मुंबई येथील मुख्य महानगर दंडाधिकारी येथे पोलीसांना बसण्याच्या व्यवस्थेसाठी शेड बांधणे.	रु. ५४६७६०/-
५४.	मुळगौण कामातंर्गत अंधेरी (पूर्व), मुंबई येथील मुख्य महानगर दंडाधिकारी येथे पी.पी. रूम आणि कडप्पा बँक स्टोरेज कोर्ट क्रमांक	रु. ५७४५७४/-
५५.	२२ येथे पहिल्या मजल्यावरील पॅसेजसाठी प्लास्टर आणि पेंटिंगची दुरुस्ती आणि ॲल्युमिनियम पार्टीशन करणे. मुळगौण कामातंर्गत अंधेरी (पूर्व), मुंबई येथील मुख्य महानगर दंडाधिकारी येथे नवीन लेडीज व पी.पी. रूममधील फ्लोरींग व दरवाजा, खिडक्याचे नूतनीकरण. करणे	रु. ४८८८७२/-
५६.	चेंबूर येथील आफ्टर केअर वसतिगृहाच्या दुसऱ्या मजल्यावर व्यायामशाळा (जिम) कक्षाचे बांधकाम करणे.	रु. ८४३१५७/-
५७.	चेंबूर, आर.सी. मार्ग येथील नवीन प्रशासकीय इमारतीच्या चौथ्या मजल्यावर सामाजिक कल्याण कार्यालयातील अधिकारी कॅबिनची दुरुस्ती व नूतनीकरण करणे,	रु. ८३६२३३/-
५८.	मानखुर्द, मुंबई येथील चिल्ड्रन एड सोसायटीच्या खराब झालेल्या संरक्षक भिंतीचे बांधकाम व दुरुस्ती करणे.	रु. ८४३२७६/-
५९.	मुळगौण कामांतर्गत तीन डोंगरी पोलिस वसाहतीतील इमारत 'एफ' येथील तुटलेल्या व नादुरुस्ती झालेल्या सांडपाणी वाहिनीची दुरुस्ती व नूतनीकरण करणे.	रु. ७९९८११/-
६०.	चेंबूर, मुंबई येथील चेंबूर पोलीस स्टेशनसाठी पोर्टेबल कॅबिनचा पुरवठा व बसविणे.	रु. ६८१७३९/-
६१.	मुळगाँण कामांतर्गत चुनाभट्टी येथील १८५ पोलीस क्वार्टर, देवरत्ना नगर, सह्याद्री इमारत, खोल्या क्र. ७०१, ७०४ मधील फ्लोरिंग, दरवाजे व खिडक्या, स्वयंपाकघराचे प्लेटफॉर्म यांचे नूतनीकरण करणे.	रु. ८४२९००/-
६२.	मुळगाँण कामांतर्गत चुनाभट्टी येथील १८५ पोलीस क्वार्टर, देवरत्ना नगर, सह्याद्री इमारत, खोल्या क्र. ७०५, ७०६ मधील फ्लोरिंग, दरवाजे व खिडक्या तसेच स्वयंपाकघराचे प्लेटफॉर्म यांचे नूतनीकरण करणे.	रु. ८४२९००/-
६३.	मुळगाँण कामांतर्गत विख्खोली न्यायालय, मुंबई येथील न्यायालय क्र. ४९, ५० व ७३ मधील न्यायालयीन सभागृह व अधिकाऱ्यांच्या कक्षांमध्ये ग्रॅनाइट दगडी रॅक बांधकाम करणे.	रु. ७३००००/-
६४.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत ८० पोलीस हवालदार निवासस्थाने, डी. एन. नगर येथील इमारत क्र. ३४ येथे अंतर्गत गिलावा व रंगकाम व इतर अनुषांगिक कामे करणे.	रु. ६३१९९८/-
६५.	विशेष दुरुस्ती अंतर्गत तहसिलदार, संजय गांधी निराधार योजना कार्यालय, अंधेरी (प) येथे पाईपलाईनची दुरुस्ती करणे.	रु. ३६४५८०/-

निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग, अंधेरी (प.) मुंबई ५८. यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

जा.क्र. काअ/उमुंवि/निविदा/६२१
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय,
उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग,
प्रशासकीय इमारत, १ ला मजला,
भवन्स कॉलेजजवळ, दादाभाई मार्ग,
अंधेरी (प.) मुंबई ५८.
दिनांक :-१७.०२.२०२६

DGIPR/2025-26/5961

कार्यकारी अभियंता
उत्तर मुंबई (सा.बां) विभाग,
अंधेरी (प.) मुंबई ५८.

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता संपन्न

भारत की वैश्विक व्यापार सहभागिता में एक रणनीतिक उपलब्धि

नई दिल्ली। 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फ़ॉन डेर लेयेन द्वारा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संपन्न होने की ऐतिहासिक घोषणा की गई। यह समझौता भारत की वैश्विक व्यापार सहभागिता और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विश्वसनीय साझेदारी का सुदृढ़ निर्माण

विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ (जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा रखता है) के बीच यह समझौता एक मजबूत, विश्वसनीय और दीर्घकालिक साझेदारी को सुदृढ़ करता है। यह खुले बाज़ार, पूर्वानुमेयता और समावेशी विकास के प्रति दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अभूतपूर्व बाज़ार पहुँच और निर्यात को प्रोत्साहन

इस एफटीए के अंतर्गत भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को यूरोपीय संघ में वरीयतापूर्ण बाज़ार पहुँच प्राप्त होगी, जिससे व्यापक विकास की संभावनाएँ खुलेंगी। इससे एमएसएमई, महिला उद्यमियों, कारीगरों, युवाओं और पेशेवरों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

?6.41 लाख करोड़ (75 अरब अमेरिकी डॉलर) के निर्यात को गति मिलने की संभावना है, जबकि वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लगभग 33 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को विशेष लाभ मिलेगा।

'मेक इन इंडिया' और औद्योगिक विकास को बल

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में संतुलित और चरणबद्ध उदारीकरण से 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा मिलेगा और भविष्य के निर्यात को मजबूती मिलेगी। इससे घरेलू विनिर्माण क्षमता सुदृढ़ होगी और उपभोक्ताओं को उन्नत प्रौद्योगिकी तथा प्रतिस्पर्धात्मक विकल्प प्राप्त होंगे।

कृषि, खाद्य और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात–जैसे चाय, कॉफी, मसाले तथा फल एवं सब्जियों–को अनुकूल बाज़ार पहुँच मिलेगी। वहीं डेयरी, अनाज, पोल्ट्री जैसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है और इन्हें बाज़ार पहुँच से बाहर रखा गया है।

सेवाओं और पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसर

सेवा क्षेत्र में आईटी, पेशेवर सेवाएँ, शिक्षा, वित्तीय सेवाएँ, पर्यटन और निर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वाकांक्षी और वाणिज्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बाज़ार पहुँच प्राप्त होगी। यूरोपीय संघ के 144 उप-क्षेत्रों में भारतीय सेवा प्रदाताओं को पूर्वानुमेय पहुँच मिलेगी, जिससे कुशल और अर्ध-कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार होगा।

निवेश, तकनीक और नवाचार में सहयोग

यह समझौता कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और डिजिटल व्यापार जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। सीबीएएम प्रावधानों के माध्यम से रचनात्मक संवाद और सहयोग सुनिश्चित किया गया है, जिससे सतत विकास के लक्ष्यों को बल मिलेगा।

भारत-ईयू व्यापार संबंधों की वर्तमान स्थिति

वर्ष 2024-25 में भारत-यूरोपीय संघ के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार ?11.5 लाख करोड़ (136.54 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें 6.4 लाख करोड़ (75.85 अरब डॉलर) का निर्यात और 5.1 लाख करोड़ (60.68 अरब डॉलर) का आयात शामिल है। सेवाओं का व्यापार वर्ष 2024 में 7.2 लाख करोड़ (83.10 अरब डॉलर) तक पहुँच चुका है।

नीति, नेतृत्व और भविष्य की दिशा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक दृष्टि में एक निर्णायक उपलब्धि है। यह भारत की 22वीं एफटीए साझेदारी है और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप देश को एक विश्वसनीय, गतिशील और भविष्य उन्मुख वैश्विक भागीदार के रूप में स्थापित करती है।

समावेशी और भविष्य उन्मुख विकास की आधारशिला

भारत-ईयू एफटीए समावेशी, सुदृढ़ और भविष्य उन्मुख विकास की आधारशिला रखता है। यह समझौता न केवल व्यापार और निवेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि रोजगार सृजन, तकनीकी सहयोग और सतत विकास को भी मजबूती प्रदान करेगा।

बाल सुधार गृह से दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत तीन बंदी फरार, पुलिसकर्मियों पर हमला और फायरिंग से हड़कंप

जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्र आर.एस. पुरा में स्थित एक बाल सुधार गृह में सोमवार शाम को सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए तीन बंदी फरार हो गए। फरार होने वालों में दो पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय गैंगस्टर शामिल है। इस घटना के दौरान बंदियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला किया, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है।

अधिकारियों के अनुसार, घटना शाम करीब 5.15 बजे आर.एस. पुरा स्थित बाल सुधार गृह में हुई। पुलिस ने बताया कि फरार बंदियों की पहचान आर एस पुरा में डबलेहार निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा तथा पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सुना-उल्लाह और एहसान अनवर के रूप में हुई है। तीनों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया और इसके बाद परिसर से भाग निकले। अधिकारियों ने बताया कि एसपीओ विनय और मुख्य आरक्षक प्रवीण नामकदो पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। खौफ गिरोह से जुड़े बताए जा रहे एक गैंगस्टर का बाल सुधारगृह के अंदर कुछ गोलियां चलाते हुए एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे लोगों में चिंता पैदा हो गई।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि स्थानीय स्तर पर निर्मित पिस्तौल कैदी तक कैसे पहुंची। फरार बंदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित की गई हैं और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। इसी बीच, पूर्व डीजीपी एस पी वैद ने घटना को लेकर पुलिस से सवाल किया और कहा कि दिलचस्प बात यह है कि तीनों कैदी अब नाबालिग नहीं हैं।

पुलिस की कार्रवाई और घेराबंदी

घटना का संज्ञान लेते हुए जम्मू पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। सीमावर्ती इलाकों और संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी जारी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित होने के कारण सीमा सुरक्षा बल को भी सतर्क कर दिया गया है ताकि पाकिस्तानी नागरिक सीमा पार न कर सकें।

पूनम पांडे का चौंकाने वाला खुलासा

'फेमस क्रिकेटर ने भेजा मैसेज, करना चाहता था हैंगआउट'; अब बुरी तरह हो रही ट्रोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे अक्सर अपने विवादित बयानों और हरकतों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। कभी अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में आती हैं, तो कभी किसी अफवाह के चलते। इस बार उन्होंने क्रिकेट जगत और एक्टिंग इंडस्ट्री से जुड़े एक विवादित बयान के कारण सुर्खियों में आ गई हैं।

हाल ही में फिल्मविंडो के साथ बातचीत में पूनम पांडे ने बताया कि उन्हें कई क्रिकेटर्स और एक्टर्स डायरेक्ट मैसेज (डीएम) भेजते हैं। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या वो उन लोगों के नाम बताएंगी। पूनम ने कहा कि नाम नहीं बता सकतीं, लेकिन कई ऐसे खिलाड़ी और स्टार्स हैं, जो उन्हें मैसेज करते हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ मैसेजिंग ऐसे थे जैसे किसी क्रिकेटर ने लिखा कि 'आप बहुत क्यूट लगती हैं।' यह मैसेज बार-बार आने लगे, जिसके बाद पूनम को उस व्यक्ति को ब्लॉक करना पड़ा।

जब उनसे पूछा गया कि ये लोग सीरियस होते हैं या सिर्फ टाइमपास, तो उन्होंने कहा कि मैसेज देखकर ऐसा लगता है कि ये लोग गंभीर नहीं हैं। 'मुझे लगता है कि ये सिर्फ मेरे साथ हैंगआउट करना चाहते हैं। कई बार इन्हें इग्नोर करना पड़ता है। मुझे यकीन है कि मेरी तरह और भी लड़कियों को ऐसे मैसेज आते होंगे।' पूनम पांडे के इस बयान के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। कई यूजर्स का कहना है कि यह सब स्क्रिप्टेड है और पूनम सिर्फ अटेंशन पाने के लिए यह बयान दे रही हैं। इससे पहले, एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने भी इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने बताया था कि क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें मैसेज करते थे।

पुजारी का बेरहमी से कत्ल! ब्राह्मणों से नफरत बनी हत्या की वजह, आरोपी ने सीने पर पैर रखकर काटी गर्दन

सीधी **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में पुजारी पंडित इंद्रभान द्विवेदी की बेरहमी से हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। लोगों के आक्रोश को देखते हुए आरोपी की दुकान और घर सील कर दिया गया है। घटना रविवार 15 फरवरी 2026 महाशिवरात्री के शुभ दिन सुबह करीब 9 बजे की है। जहां कुसमी क्षेत्र मंल इंद्रभान द्विवेदी (75) हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपी मोटरसाइकिल से आया और उनकी गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के बाद भी आरोपी ने कई वार किए, जिससे पुजारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की।

हत्याकांड के बाद इलाकावासियों में आक्रोश था और गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। लोगों के मुताबिक, इंद्रभान द्विवेदी पिछले लगभग 30 वर्षों से तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे थे। समाज में उनकी छवि एक सरल और सम्मानित व्यक्ति की थी और उनकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। उनकी हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

लोगों के मुताबिक, आरोपी को ब्राह्मणों से नफरत थी। वह पहले भी कई बार ब्राह्मणों से मारपीट कर चुका है। वह पूजा पाठ करने वाले लोगों को परेशान करता था। इसी नफरत के चलते वारदात के दिन आरोपी ने पंडित के सीने पर पैर रखा और गर्दन काट दी। नृशंस हत्याकांड के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था। स्थानीय लोगों की मांग पर पुलिस ने आरोपी कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट की मुर्गा-मीट की दुकान और घर को सील कर दिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि हर पहलू की निष्पक्ष जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिनेवा वार्ता से पहले ट्रंप की ईरान को खुली धमकी-'डील करो या अंजाम भुगतो'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जिनेवा में होने वाली अहम परमाणु वार्ता से पहले ईरान को कड़ा और चेतावनी भरा संदेश दिया है। वॉशिंगटन डीसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने बताया कि वह इस उच्चस्तरीय वार्ता प्रक्रिया में 'अप्रत्यक्ष रूप से' शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिनेवा में होने वाली बातचीत बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान भले ही एक 'कठिन वार्ताकार' हो, लेकिन उसकी नेतृत्व क्षमता कमजोर रही है। उन्होंने कहा, 'अगर वे सही समय पर समझौता कर लेते तो हमें उनके परमाणु ठिकानों पर बी-2 विमान भेजने की जरूरत ही नहीं पड़ती।'

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया सैन्य कार्रवाई ने पूरे भू-राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया और ईरान को दोबारा कूटनीति की ओर लौटने के लिए मजबूर किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे ईरान 'ज्यादा समझदारी' दिखाएगा, क्योंकि आर्थिक और राजनीतिक दबाव उसे बातचीत की मेज पर ला रहे हैं। मिडिल ईस्ट की स्थिति पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि कहीं-कहीं तनाव जरूर दिख सकता है, लेकिन कुल मिलाकर क्षेत्र में शांति कायम है। उन्होंने कहा, 'आप कहीं-कहीं आग की लपटें देख सकते हैं, लेकिन मूल रूप से मिडिल ईस्ट में शांति है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमने परमाणु क्षमता पर ँ-2 हमला किया।'

ट्रंप ने हालिया सैन्य अभियान ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का बचाव करते हुए कहा कि इसके बिना ईरान एक महीने के भीतर परमाणु हथियार बना लेता। इस ऑपरेशन के तहत अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान को निशाना बनाया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में ईरान और अमेरिका के बीच ओमान के मस्कट और इटली के रोम में परमाणु वार्ता के दौर हुए थे, लेकिन जून 2025 में सैन्य हमलों के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। ईरान ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया था। अब सैन्य टकराव के बावजूद दोनों देश एक बार फिर परमाणु समझौते पर चर्चा के लिए मंगलवार को जिनेवा में मिलने जा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इन वार्ताओं में हिस्सा लेंगे।

विदाई भाषण में भी यूनुस ने भारत के खिलाफ उगला जहर! 'सेवन सिस्टर्स' पर दिया विवादित बयान

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के निवर्तमान अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर ऐसा बयान दे दिया, जिसने एक बार फिर भारत-बांग्लादेश रिश्तों में नई तल्खी पैदा कर दी है। यूनुस ने भारत के 'सेवन सिस्टर्स' को नेपाल और भूटान जैसे संप्रभु देशों के साथ जोड़कर पेश किया, जिसे कई विश्लेषकों ने कूटनीतिक असंवेदनशीलता करार दिया। राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए गए भाषण में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश का समुद्र केवल सीमा नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का द्वार है और नेपाल, भूटान व 'सेवन सिस्टर्स' के साथ मिलकर इस क्षेत्र में 'विशाल आर्थिक संभावनाएं' हैं। लेकिन भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग पहचान के रूप में पेश करना नई दिल्ली को नागवार गुजरा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद दोनों देशों के रिश्ते पहले ही तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि यूनुस लगातार भारत की क्षेत्रीय संवेदनशीलताओं को नजरअंदाज करते रहे हैं। इससे पहले मार्च 2025 में चीन यात्रा के दौरान यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को 'लैंडलॉक्ड' बताते हुए बांग्लादेश को उनका 'समुद्र का एकमात्र संरक्षक' कहा था। इस बयान पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे 'आपत्तिजनक और निंदनीय' बताया था।यूनुस के बयानों के बाद अप्रैल 2025 में भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा वापस ले ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा था कि यह फैसला भारत के बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर बढ़ते दबाव और लॉजिस्टिक अव्यवस्थाओं के कारण लिया गया। इसी बीच बांग्लादेश के भीतर हालात लगातार बिगड़ते गए। जुलाई 2024 के आंदोलन के बाद देश में हिंसा, अपराध, मॉब लिंचिंग और अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं पर हमलों में तेजी आई। महिलाओं के खिलाफ अपराध भी बढ़े हैं। यूनुस सरकार ने कानून-व्यवस्था बहाल करने का वादा किया था, लेकिन एक साल से अधिक समय बीतने के बावजूद हालात काबू में नहीं आ सके।विशेषज्ञों का मानना है कि यूनुस का कार्यकाल न केवल

त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला पहने बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचा जफर, बजरंग दल ने की पिटाई

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पर्व के दौरान पंडित के भेष में घूम रहे एक युवक को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मामला नानाखेड़ा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बजरंग दल के जिला संयोजक को सूचना मिली थी कि एक युवक होटल में कमरा लेने के लिए अपनी आईडी के बजाय एक युवती के पहचान पत्र का उपयोग करने का प्रयास कर रहा है। सूचना के आधार पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और युवक से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने स्वयं को हिंदू नाम से परिचित कराया, लेकिन सख्ती से पूछने पर उसकी पहचान जाफर के रूप में सामने आई। बताया जा रहा है कि वह एक युवती को दिल्ली से उज्जैन लाया था। दोनों ने दिन में मंगलनाथ मंदिर और महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए थे।

बाद में युवक को पकड़कर नानाखेड़ा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, जिसमें युवती की भूमिका, पहचान से जुड़े दस्तावेज और होटल बुकिंग प्रक्रिया की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बांग्लादेश में शपथ ग्रहण पर सियासी टकराव बीएनपी के फैसले पर जमात ने रोकी शपथ

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में 13वीं संसद के गठन से पहले ही जनमत-संग्रह और संविधान सुधार परिषद को लेकर बड़ा राजनीतिक गतिरोध सामने आ गया है। चुनाव में विजयी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार किए जाने के बाद दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी ने भी अपने नवनिर्वाचित सहयोगियों की शपथ रोक दी। मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद भवन जातीय संसद में बीएनपी सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी के सांसदों की शपथ होनी थी, लेकिन बीएनपी के फैसले के चलते स्थिति जटिल हो गई।

जमात-ए-इस्लामी के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने स्पष्ट कहा कि जब तक बीएनपी सांसद नियमित सांसदों के साथ-साथ संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में भी शपथ नहीं लेते, तब तक उनकी पार्टी संसद सदस्य के रूप में शपथ नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के अनुसार, 'संवैधानिक सुधारों के बिना संसद का कोई अर्थ नहीं है।'संविधान सुधार परिषद की दूसरी शपथ तथाकथित 'जुलाई चार्टर' को लागू करने की प्रतिबद्धता से जुड़ी है, जिसमें संविधान में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव है। जनमत-संग्रह में 84 सूत्रीय जटिल प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें निर्वाचन आयोग के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने 'हां' में मतदान किया।

वहीं बीएनएस की नीति-निर्धारण स्थायी समिति के सदस्य और नवनिर्वाचित सांसद सलाहुद्दीन अहमद ने शपथ ग्रहण से पहले पार्टी सहयोगियों से कहा कि उन्हें संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में नहीं चुना गया है और अभी तक इस परिषद से जुड़ना कोई भी प्रस्ताव संविधान का हिस्सा नहीं है।

एपस्टीन फाइल्स विवाद पर ट्रंप का जवाब : 'मैं तो पूरी तरह बरी, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। एपस्टीन फाइल्स को लेकर दुनियाभर में जारी विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि जांच में उन्हें पूरी तरह से बरी कर दिया गया है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। एयर फ़ोर्स वन में रिपोर्टर्स से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मुझे पूरी तरह बरी कर दिया गया है। जेफरी एपस्टीन से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। डेमोक्रेट्स को उम्मीद थी कि उन्हें कुछ मिलेगा, लेकिन ठीक इसका उल्टा हुआ।'ट्रंप ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि एपस्टीन ने कभी उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का समर्थन नहीं किया था। ट्रंप के मुताबिक, 'वह मेरे खिलाफ थे और चाहते थे कि मैं कभी आगे न बढ़ूं।'डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि इस जांच में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन समेत कई अन्य डेमोक्रेट नेताओं के नाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 'यह दिलचस्प है कि अब उन्हें घसीटा जा रहा है। क्लिंटन और कई दूसरे डेमोक्रेट्स का नाम इसमें आया है।'

ट्रंप ने यह भी जिक्र किया कि पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन मामले का इस्तेमाल उनसे ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि ट्रंप ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, 'यह उनकी समस्या है। मुझे नहीं पता आगे क्या होगा, लेकिन मैंने उन्हें म्यूनिख में देखा था और उन्हें अब भी ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम है।' गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन की साल 2019 में फेडरल कस्टडी के दौरान मौत हो गई थी। उस समय वह नाबालिगों की सेक्स ट्रैफिकिंग के

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)